संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक-175 गुरूवार,27 अप्रैल 2023,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 2 रूपये

नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट में 11 जवान शहीद

विस्फोट इतना जबरदस्त रहा कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और वाहन पर सवार ड्राइवर समेत सभी 11 जवान शहीद हो गए

» सर्चिंग पर निकले डीआरजी जवानों के वाहन को उड़ाया नक्सलियों ने

» मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और भाजपा प्रभारी ओम माथुर ने जताया दुख

जगदलपुर,26 अप्रैल 2023 (ए)। बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा जिले में बुधवार को फिर नक्सलियों ने जवानों से भरे वाहन को विस्फोटक से उड़ा दिया। इस हमले में डीआरजी के 11 जवान शहीद हो गए हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नक्सलियों की इस करतूत की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि नक्सलियों को बख्शा नहीं जाएगा, उन्हें उनके किए की सजा जरूर मिलेगी। वहीं बस्तर प्रवास पर आए छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने घटना पर दुख जताते हुए शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी है।

बुधवार को दंतेवाड़ा जिले के जंगलों में नक्सलियों के लोकेशन की सूचना मिलने के बाद डीआरजी के 11 जवान घने जंगलों में सर्चिंग पर निकले हुए थे। रास्ते में नक्सलियों ने आईईडी प्लांट कर रखा था, जिसे जवान भांप नहीं पाए और आईईडी वाले पाइंट से गुजरने के दौरान उनका वाहन चपेट में आ गया। विस्फोट के लिए भारी मात्रा में बारूद का इस्तेमाल किया गया था। विस्फोट इतना जबरदस्त रहा कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और वाहन पर सवार ड्राइवर समेत सभी 11 जवान शहीद हो गए। सूचना मिलते ही जिला एवं संभाग मुख्यालय से अतिरिक्त फोर्स घटना स्थल की ओर रवाना कर दिए गए हैं। जंगलों में हमलावर नक्सलियों की खोजबीन शुरू कर दी गई है। इस भीषण नक्सली वारदात की खबर मिलने पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि नक्सलियों को उनकी इस कायराना करतूत की सजा हर हाल में दी जाएगी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री श्री बघेल को फोन कर उनसे घटना का ब्यौरा लिया और उन्हें भरोसा दिलाया कि नक्सलियों से निपटने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार को केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद दी जाएगी। उधर बस्तर प्रवास के सिलसिले में जगदलपुर आए भारतीय जनता पार्टी के छ्ग प्रभारी ओम माथुर ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने इस घटना को राज्य सरकार की नाकामी करार दिया है। उन्होंने कहा कि छ्ग में नक्सली टॉरगेट किलिंग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने नक्सल हिंसा की घटना में जवानों की शहादत पर गहरा दुःख व्यक्त किया अरनपुर घटना की कड़ी निंदा की

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दंतेवाड़ा जिले के अरनपुर थाना क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान माओवादियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में 10 डीआरजी जवानों एवं एक वाहन चालक की शहादत पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की है। श्री बघेल ने माओवादियों की इस कायराना हरकत की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हमारे जवानों की कुर्बानी व्यर्थ नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में हम सब शहीदों के परिवारों के साथ हैं।

विस अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने दंतेवाड़ा नक्सली हमले में शहीद जवानों की शहादत को किया नमन नक्सली हमले को बताया कायराना करतूत

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने दंतेवाड़ा थाना अरनपुर में नक्सली हमले में डीआरजी के 9 जवान तथा 1 ड्राइवर की शहादत पर नमन करते हुए दुख व्यक्त किया है। डॉ महंत ने कहा कि नक्सलियों की यह कायराना करतूत है, इस प्रकार की घटना उनकी हताशा का प्रतीक है। आशा है केंद्र सरकार व राज्य सरकार जल्द ही साझा प्रयास से नक्सल समस्या का निराकरण करेंगे। दिवंगत शहीदों को मेरी विनम्र श्रद्धांजलि एवं उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।

राज्यपाल ने नक्सली हमले में जवानों की शहादत पर गहरा दुःख व्यक्त किया

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने आज दंतेवाड़ा जिले के अरनपुर क्षेत्र में नक्सलियों द्वारा किये गये बम विस्फोट में पुलिस के जवानों की शहादत पर गहरा शोक व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने घटना की कड़ी निंदा की और कहा कि नक्सलियों के राष्ट्र विरोधी मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। केन्द्र शासन और राज्य शासन समन्वय पूर्वक नक्सलवाद को समाप्त करने के लिए कटिबद्ध है।

सीएम भूपेश बघेल कर्नाटक दौरा स्थगित,कल जाएंगे दंतेवाा, नक्सली हमला को लेकर करेंगे समीक्षा

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपना कर्नाटक दौरा स्थगित कर दिया है। वही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कल दंतेवाड़ा जाकर खुद शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देंगे और ज़मीनी स्थिति का आंकलन करेंगे। नक्सली हमला होने पर सीएम भूपेश बघेल सख्त हो गए है. लगातार अधिकारियो के साथ बैठक ले रहे है।

नक्सली हमले को लेकर गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री बघेल से की बात, हर संभव मदद का दिया आश्वासन, सीएम ने कहा नक्सलियों को छोड़ा नहीं जाएगा

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सलियों ने आज बड़ा हमला किया है। नक्सलियों ने आईडी ब्लास्ट किया है. शहीद हुए जवानों में 11 डीआरजी के जवान और एक ड्राइवर है. दंतेवाड़ा के अरनपुर में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड फोर्स को लेकर जा रहे वाहन पर आईडी हमला हुआ। हमले को लेकर सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि नक्सलियों को छोड़ा नहीं जाएगा.

जानकारी के मुताबिक इस हमले के बाद पुलिस ने नक्सलियों को घेर लिया है। दोनों के बीच अब भी मुठभेड़ जारी है। बताया जा रहा है कि और फोर्स को बुला लिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ ष्ट्रू से बात करके दंतेवाड़ा ज़िले के अरनपुर के पास नक्सली हमले में वीर गति को प्राप्त 10 डीआरजी (ज़िला रिज़र्व गार्ड) जवानों की जानकारी ली। उन्होंने छत्तीसगढ़ ष्ट्रू को हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

दंतेवाड़ा नक्सल हमले पर बोले डॉ. रमन सिंह

रायपुर। दंतेवाड़ा नक्सल हमले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा है कि इंटर स्टेट जॉइंट ऑपरेशन और सर्च ऑपरेशन को बढ़ाने की जरूरत है। कांग्रेस सरकार बार-बार बोलते हैं कि नक्सलवाद समाप्ति की ओर है लेकिन इस तरह की बड़ी-बड़ी घटनाएं होती जा रही हैं। अच्छा होगा कि शक्ति और लगाएं।

अरुण साव ने 10 डीआरजी जवानों को दी श्रद्धांजलि

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा जिला में अरनपुर में नक्सलियों द्वारा किए गए ब्लास्ट में 11 जवानों की शहादत को नमन करते हुए इस घटना पर गहन दुःख व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष साव ने कहा कि लगातार बढ़ती नक्सली हिंसा से बस्तर में चहुँओर आतंक का माहौल है। नक्सलियों के इस कायराना कृत्य की जितनी भर्त्सना की जाए, वह कम है। साव ने कहा कि बस्तर की धरती से नक्सलियों का समूल नाश ही हमारे शहीद जवानों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पीएम मोदी ने दंतेवाड़ा में डीआरजी जवानों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की

पीएम मोदी ने दंतेवाड़ा में डीआरजी जवानों पर हुए हमले की कड़ी निंदा की और ट्वीट कर लिखा - दंतेवाड़ा में छत्तीसगढ़ पुलिस पर हुए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हम हमले में शहीद हुए बहादुर जवानों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

11 डीआरजी जवानों की शहादत पर देश में शोक की लहर

नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट में जवानों की शहादत पर पूरे देश में शोक की लहर है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कांग्रेस नेता राहुल गांधी, लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने भी शोक जताया है. उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि दंतेवाड़ा में छत्तीसगढ़ पुलिस पर हुए हमले की कड़ी निंदा करता हूं. मैं हमले में शहीद हुए बहादुर जवानों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं. उनके बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा. शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं.

राहुल गांधी ने अपने ट्वीट में कहा कि छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में हुए कायरतापूर्ण नक्सली हमले में 10 डीआरजी जवानों और एक वाहन चालक की शहादत का समाचार दुखद है. इस कठिन वक्त में उनके शोकाकुल परिवारों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं. सभी वीर शहीदों को मेरा नमन और श्रद्धांजलि.

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी नक्सली हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि नक्सलवाद को कुचलने के लिए सभी सरकारों को तत्काल सख्त कदम उठाने की जरूरत है.

खड़गे का ट्वीट

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सल विरोधी अभियान में,एक कायराना हमले में हमारे 11 डीआरजी जवान एवं एक चालक की शहादत बेहद दुःखद है। वीरों को विनम्र श्रद्धांजलि।हम शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई आखिरी दौर में है,हमारी सरकार इसमें जीत हासिल करेगी।

जेपी नड्डा का ट्वीट

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सली हमले में शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ व घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ। राष्ट्र आपके सर्वोच्च बलिदान के लिए सदैव ऋणी रहेगा। ईश्वर शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करें। दुःख की इस घड़ी में समस्त देशवासी आपके साथ हैं।

एनआईए की विशेष अदालत ने 23 आतंकवादियों के खिलाफ जारी किया वारंट

जम्मू , 26 अप्रैल 2023 (ए)। जम्मू स्थित राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की विशेष अदालत ने पुलिस के अनुरोध पर बुधवार को किश्तवाड़ जिले के 23 आतंकवादियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है, जो पाकिस्तान या पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में छिपे हुए हैं ।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। किश्तवाड़ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) खलील पोसवाल ने बताया कि मुख्य जांच अधिकारी पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) पीसी विशाल शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले सहित विभिन्न हिस्सों में अशांति फैलाने और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने के लिए विशेष एनआईए अदालत का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने के मंसूबों के साथ केंद्र सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए अलगाववादियों और अलगाववादी नेताओं की मिलीभगत से आतंकवादियों को जम्मू-कश्मीर में पनाह दी। मामले की आगे की जांच जारी है। गौरतलब है कि संबंधित धाराओं के तहत गैर जमानती वारंट जारी कर जांच शुरू कर दी गई है।

पीएमएलए को चुनौती देने एससी में जाने वाला छत्तीसगढ़ बना पहला राज्य

केंद्रीय जांच एजेंसियों का गैर-सामान्य कामकाज को डराने,परेशान करने और परेशान करने के लिए दुरुपयोग किया जा रहा

4 मई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली,26 अप्रैल 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ बुधवार को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाला सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने वाला पहला राज्य बन गया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि केंद्रीय जांच एजेंसियों का गैर-सामान्य कामकाज को डराने, परेशान करने और परेशान करने के लिए दुरुपयोग किया जा रहा है। -भाजपा राज्य सरकार।

भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत कानून को चुनौती देते हुए मूल मुकदमा दायर किया, जो किसी राज्य को केंद्र या किसी अन्य राज्य के साथ विवाद के मामलों में सीधे सर्वोच्च न्यायालय जाने का अधिकार देता है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम और इसके प्रावधानों को चुनौती देने वाला पहला राज्य बन गया है। इससे पहले, निजी व्यक्तियों और पार्टियों ने विभिन्न आधारों पर कानून को चुनौती दी थी, लेकिन कानून की वैधता को पिछले साल शीर्ष अदालत की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने बरकरार रखा था।

सूट में कहा गया है कि राज्य सरकार को उसके अधिकारियों और राज्य के निवासियों की ओर से कई शिकायतें मिल रही हैं कि ईडी जांच की आड़ में उन्हें यातना, गाली और मारपीट कर रही है। इसने कहा कि शक्तियों के इस ज़बरदस्त और अत्यधिक दुरुपयोग के कारण, छत्तीसगढ़ को अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

यह बताना अनिवार्य है कि यह पहला अवसर नहीं है जब ईडी ने एक अवैध कार्यप्रणाली का सहारा लिया है। कई मौकों पर, विभिन्न राज्यों के संबंध में दृष्टिकोण नियोजित किया गया है जो केंद्र में सत्ता में एक के विपरीत राजनीतिक रुख रखते हैं। इस तरह का आचरण घोर दुरूपयोग और सत्ता का मनमाना उपयोग है, जो संवैधानिक शासनादेश के खिलाफ है। जांच एजेंसियों से पूरी तरह से स्वतंत्र और अप्रभावित होने की उम्मीद की जाती है।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ को छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और अधिवक्ता सुमीर सोढ़ी ने कहा कि यह मुद्दा संवैधानिक महत्व का है और इस पर तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है। पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई 4 मई को की जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य में एक विपक्षी सरकार के सामान्य कामकाज को बाधित करें।

इसने कहा कि राज्य संविधान के अनुच्छेद 131 के आधार पर दिए गए अपने मूल अधिकार क्षेत्र के तहत इस अदालत के हस्तक्षेप की मांग कर रहा है, जो राज्य और प्रतिवादियों के बीच उत्पन्न हुए विवाद के आलोक में है - भारत संघ, कर्नाटक राज्य और निदेशालय प्रवर्तन (ईडी), जिसमें कानून और तथ्यों के प्रश्न शामिल हैं जो राज्य के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों को प्रभावित करते हैं।

एक विशेष मामले का विवरण देते हुए, जिसने इसे शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने के लिए प्रेरित किया, छत्तीसगढ़ सरकार ने कहा कि सूर्यकांत तिवारी नाम के एक व्यक्ति के खिलाफ बेंगलुरु के कड्डुगोडी पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें मारपीट या आपराधिक बल सहित आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत दंडनीय अपराध थे। लोक सेवक को अपने कर्तव्य का निर्वहन करने और सबूत नष्ट करने से रोकने के लिए।

वाद में कहा गया है, ÷प्राथमिकी में शिकायतकर्ता आयकर विभाग है और आरोप छत्तीसगढ़ राज्य में कोयले की लेवी पर कथित अवैध संग्रह के साथ-साथ भ्रष्ट और अवैध तरीकों से लोक सेवकों को प्रभावित करने के प्रयास से संबंधित है। इसमें कहा गया है कि ईडी ने विधेय अपराध के आधार पर 29 सितंबर, 2022 को ईसीआईआर दर्ज की और अपनी जांच शुरू की।

छत्तीसगढ़ सरकार ने कहा, ÷उक्त जांच के परिणामस्वरूप राज्य सरकार के विभिन्न विभागों और कार्यालयों में अंधाधुंध सर्वेक्षण और छापे मारे गए और राज्य के अधिकारियों की गिरफ्तारी हुई। पीएमएलए के प्रावधानों का जिक्र करते हुए इसने कहा कि एक आपराधिक जांच प्रक्रिया को खुलेपन, पारदर्शिता और स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए।

इसने कहा कि 2015, 2016, 2018 और 2019 के वित्त अधिनियमों के माध्यम से पीएमएलए के प्रावधानों में कुछ संशोधन किए गए हैं और वित्त अधिनियमों के माध्यम से पीएमएलए में किए गए ये संशोधन रंगीन होने के कारण रद्द किए जा सकते हैं। विधायी शक्ति का उपयोग, संविधान के अनुच्छेद 110(1) का उल्लंघन।

शिक्षकों से मिड डे मील के अनाज की एक-एक खाली बोरी का सरकार ने मांगा हिसाब

जारी हुआ टॉप प्रायोरिटी लेटर

रांची , 26 अप्रैल 2023 (ए)। झारखंड के सरकारी स्कूलों के शिक्षक सरकार के एक फरमान से हलकान हैं। शिक्षा विभाग ने उनसे मिड डे मील के अनाज की खाली बोरियों का पूरे छह साल का हिसाब मांगा है। न सिर्फ हिसाब मांगा है, बल्कि इन बोरियों को बाजार में सरकार की ओर से निर्धारित रेट पर बेचने और इससे मिलने वाला पैसा जमा कराने को कहा है। इसे लेकर अलग-अलग जिलों के जिला शिक्षा अधीक्षकों ने सभी प्रखंड के बीईईओ (ब्लॉक एजुकेशन एक्सटेंशन ऑफिसर्स) को पत्र लिखा है। पत्र को अति महत्वपूर्ण बताते हुए इस आदेश का पालन करने को कहा गया है।विभाग ने इसे लेकर पहले भी पत्र जारी किए थे, लेकिन अनाज की खाली बोरियों का सही-सही हिसाब नहीं मिल पाया। अब अलग-अलग जिलों में जो पत्र जारी किए गए हैं, उसमें कहा गया है कि इस संबंध में अब तक रिपोर्ट जमा नहीं किया जाना घोर अनुशासनहीनता है। सभी बीईईओ से यह भी पूछा गया है कि अगर वे निर्धारित समय सीमा के भीतर रिपोर्ट नहीं जमा करते हैं तो क्यों नहीं उनके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई की अनुशंसा की जाए?

प्रखंड शिक्षा प्रसार अधिकारियों (बीईईओ) से कहा गया है कि पिछले छह वर्षों में सभी स्कूलों में अनाज की आपूर्ति जिन बोरियों में की गई, उसका पूरा विवरण और उसकी बिक्री से प्राप्त हुई राशि के संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी को रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। मिड डे मील के अनाज के खाली प्रत्येक बोरी 14.40 रुपये के हिसाब से बिक्री की जानी है और उसकी राशि मिड डे मील की व्यवस्था देखने वाले सरस्वती वाहिनी शिक्षा समिति के खाते में जमा की जानी है।

सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारियों ने स्कूलों के शिक्षकों पर बोरियों का हिसाब तुरंत जमा करने को कहा है। शिक्षक पिछले छह साल में आए अनाज की बोरियों का हिसाब लगाने में जुटे हैं। ऐसी चिट्ठियां गिरिडीह के अलावा हजारीबाग और अन्य जिलों में भी निकाली गई हैं।

एलओसी के पास आतंकियों का जमावड़ा

» लॉन्च पैड एक्टिव; कश्मीर में जी20 बैठक से पहले पाक का डर्टी गेम शुरू

नई दिल्ली,26 अप्रैल 2023 (ए)। कश्मीर में जी20 बैठक होने से पहले पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों पर उतर आया है। दरअसल जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ करवाने के लिए पाकिस्तान की घटिया साजिश का खुलासा हुआ है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाकिस्तानी सेना ने आंतकियों की मदद के लिए नियंत्रण रेखा से सटे इलाकों में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में पांच कंट्रोल रूम कायम किए हैं। खुफिया जानकारी के मुताबिक ये कंट्रोल रूम भिम्बर, नीलम वैली, लीपा वैली, रावलकोट और मुजफ्फराबाद में बनाए गए हैं। इन कंट्रोल रूम से इसकी निगरानी रखी जाएगी कि कैसे आतंकियों को भारतीय सीमा में घुसपैठ करवाना है। इसका मकसद भारत की सेना के जवानों की मूवमेंट के बारे में आतंकियों को जानकारी भी देना है।

खुफिया सूत्रों से जानकारी मिली है कि पाकिस्तान ने अपने सभी लांच पैड को एक्टिव कर दिया है। खुफिया जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान ने अपने सभी आतंकी लॉन्च पैड्स को नियंत्रण रेखा के करीब कर दिया है। इसके लिए ठिकाने इस तरह चुने गए हैं कि हर लॉन्च पैड भारतीय सीमा से महज कुछ किलोमीटर की दूरी पर है। पाकिस्तान ने कश्मीर में घुसपैठ बढ़ाने के लिए ऐसा किया है। खुफिया सूत्रों के मुताबिक नक्शे के हिसाब से उनके पास भारत में घुसपैठ करने के कई रास्ते हैं। ये रास्ते भारतीय सेना की किसी भी गोलीबारी से बचने और उनको उलझाए रखने के लिए हैं।

ब्रिटेन में बनेगा पहला जगन्नाथ मंदिर

» भारतीय मूल के बिजनेसमैन ने दान किए 250 करोड़

नई दिल्ली,26 अप्रैल 2023 (ए)।ब्रिटेन में संचालित एक धर्मार्थ संगठन लंदन में भगवान जगन्नाथ के पहले मंदिर के निर्माण की योजना बना रहा है। उसकी इस योजना का ओडिशा मूल के एक उद्यमी ने समर्थन करते हुए 2.5 करोड़ पौंड देने का संकल्प लिया है और उम्मीद जताई है कि मंदिर निर्माण का पहला चरण अगले साल के अंत तक हो जाएगा। 'चैरिटी कमीशन इन इंग्लैंड' में पंजीकृत श्री जगन्नाथ सोसाइटी (एसजेएस), ब्रिटेन ने कहा कि वैश्विक भारतीय निवेशक बिश्वनाथ पटनायक ने रविवार को लंदन में आयोजित पहले श्री जगन्नाथ सम्मेलन में संकल्प लिया।

फिननेस्ट समूह के संस्थापक पटनायक और कंपनी के प्रबंध निदेशक अर्जुन कार परियोजना के प्रधान दानकर्ताओं में शामिल हैं। संगठन ने बयान में कहा, ''इस अवसर पर कार ने घोषणा की कि बिश्वनाथ पटनायक ने लंदन में भगवान जगन्नाथ को समर्पित भव्य मंदिर के निर्माण के लिए 2.5 करोड़ पौंड देने का संकल्प लिया है जो फिननेस्ट समूह की कंपनियों द्वारा दिया जाएगा जिसके वह प्रबंध निदेशक हैं।

कार ने खुलासा किया कि समूह मंदिर निर्माण के लिए 15 एकड़ जमीन खरीदने के वास्ते 70 लाख पौंड देने के लिए प्रतिबद्ध है और इस मंदिर को श्री जगन्नाथ मंदिर लंदन के नाम से जाना जाएगा।

संपादकीय

महाराष्ट्र में पवार ने भाजपा को चिढ़ाया!

महाराष्ट्र में क्या चाचा-भतीजे या शरद और अजित पवार ने एक बार फिर भाजपा को चिढ़ाने और नीचा दिखाने का काम किया है? पवार परिवार यह काम पहले अक्टूबर 2019 में कर चुका है, जब अजित पवार ने एनसीपी का समर्थन भाजपा को दिया था और उनके दावे के आधार पर तब के राज्यपाल ने एक दिन तड़के देवेंद्र फड़नवीस को मुख्यमंत्री और अजित पवार को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ दिला दी थी। लेकिन चार-पांच दिन में ही फड़नवीस को इस्तीफा देना पड़ा था क्योंकि अजित पवार पीछे हट गए थे। बाद में फड़नवीस ने कहा कि उस समय जो भी हुआ था वह शरद पवार की जानकारी में हुआ था।

तभी सवाल है कि क्या फिर वही कहानी दोहराई गई है? यह भी सवाल है कि जब भाजपा एक बार पवार चाचा-भतीजे से धोखा खा चुके थे तो फिर भरोसा क्यों किया? ध्यान रहे भाजपा के नेता पवार जूनियर का स्वागत करने को तैयार बैठे थे। भाजपा की ओर से यह कहा जाने लगा था कि अजित पवार बड़े और अनुभवी नेता हैं और अगर वे भाजपा के साथ आते हैं तो बहुत अच्छा होगा। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने भी अटकलों को खारिज करने की बजाय कहा कि राजनीति में बातचीत चलती रहती है।

ऐसा लग रहा है कि मीडिया और राजनीतिक हलके में मचे चौतरफा हल्ले से भाजपा धोखा खा गई। पिछले कई दिनों से चर्चा थी कि अजित पवार एनसीपी के 40 विधायकों के साथ अलग हो रह हैं और भाजपा को समर्थन देंगे। इस प्रचार का आधार यह बनाया गया कि एकनाथ शिंदे और उनके 15 विधायकों की सदस्यता सुप्रीम कोर्ट के फैसले से जा सकती है। ऐसी स्थिति में सरकार बचाए रखने के लिए अतिरिक्त मदद की जरूरत होगी। तभी कहा जा रहा था कि अजित पवार एनसीपी तोड़ कर भाजपा के साथ आ जाएंगे और भाजपा उनको मुख्यमंत्री भी बना सकती है। अगर शिंदे की सदस्यता नहीं जाती है तब अजित पवार उप मुख्यमंत्री बन सकते थे।

लेकिन अब सारा मामला खत्म हो गया है। अजित पवार ने कहा है कि वे जब तक जीवित रहेंगे, तब तक एनसीपी के लिए काम करेंगे। जानकार सूत्रों का कहना है कि उद्धव ठाकरे के साथ मिल कर शरद पवार ने इसकी योजना बनाई थी। उन्होंने भाजपा और शिंदे गुट के बीच सब कुछ ठीक नहीं होने का मैसेज बनवाया। शिव सेना के कार्यकर्ताओं में यह मैसेज गया कि भाजपा को शिंदे पर भरोसा नहीं है या मौका मिले तो वह शिंदे को अलग करके दूसरे नेता की मदद ले सकती है। इससे शिव सैनिक उद्धव ठाकरे के साथ एकजुट होंगे। दूसरी ओर आम मतदाताओं में भाजपा की परेशानी का मैसेज जाएगा और यह माना जाएगा कि वह सरकार बचाए रखने के लिए किसी की मदद लेने को तैयार है। पवार परिवार का यह खेल इतना परफेक्ट था कि महाराष्ट्र के अनुभवी पत्रकार और राजनीतिक जानकार भी धोखा खा गए थे।

क्या यूट्यूबर मनीष कश्यप की गिरफ्तारी से तेजस्वी की वोट बैंक व लोकप्रियता की लगी लंका?

- » एनएसए तब क्यों नहीं लगता जब जनप्रतिनिधियों के बयानों से पूरा देश दंगों में जलता है?
- » अब मनीष कश्यप के चाहने वालों को 28 अप्रैल का इंतजार
- » विधानसभा चुनाव 2020 में तेजस्वी को मिला था भारी जनसमर्थन..क्या 2025 बनेगा मुसीबत?
- » सीएम व डिप्टी सीएम तेजस्वी यूट्यूबर और पत्रकार से भिड़ कर क्या अपनी ही करा ली फजीहत?
- » जेल जाने के बाद यूट्यूबर मनीष कश्यप को बिहार सहित पूरे देश में मिल रहा जन समर्थन
- » मनीष कश्यप व उनके परिवार को और सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर ही भरोसा

निर्वाचित जनप्रतिनिधि विधायक, सांसद, मंत्री, मुख्यमंत्री या फिर प्रधानमंत्री या कहे तो राजनीतिक पार्टियों के बड़े-बड़े पदाधिकारी कई बार विवादित व राष्ट्रीय सुरक्षा के अहित में बयान दे देते हैं। पर उन पर एनएसए जैसी धाराएं क्यों नहीं लगती? कई बार उनके बयानों से दंगे हो जाते है, ला एन आर्डर बिगड़ जाता है, फिर भी उन पर कार्यवाही क्यों नहीं होती? सत्ता से सवाल पूछने पर पत्रकार पर कई गंभीर धाराएं लग जाती हैं जिससे राष्ट्र व राज्य में खतरा हो जाता है। क्या यह खतरा उनकी कुर्सी जाने का होता है या फिर सही में राष्ट्र को खतरा पहुंचता है? आजादी के बाद से लोकतंत्र का चौथा स्तंभ का एक ही काम रहा है वह है आईना दिखाने का, आईना दिखाने पर सत्ताधारी दल के लोगों की आलोचना भी होती हैं और वह आलोचना कहीं ना कहीं जनता भी देखती है। पर आलोचनाओं को पचाने के बजाय जनप्रतिनिधि आग बबूला हो जाते हैं और हर संभव प्रयास करने लगते हैं कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को परेशान करने का। ऐसे कई उदाहरण देश में आज भी है, और आज की स्थिति में तो कुछ हालात पत्रकारिता के लिए ठीक नहीं है। पत्रकारिता करना तो गुनाह जैसा लगने लगा है। कई बार लोकतंत्र के चौथे स्तंभ का बचाव न्यायपालिका ने किया है, कुछ आजादी देने का प्रयास किया है, पर अब न्यायपालिका पर भी सत्ता पर बैठे लोग प्रभाव डालने का प्रयास करने लगे, परंतु सही कहा गया है कि सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं, कुछ ऐसा ही समय से यूट्यूबर व पत्रकार मनीष कश्यप गुजर रहे है। जहां एक तरफ लोग मनीष कश्यप को यूट्यूबर बता रहे हैं तो वही एक बड़ा समुदाय उसे पत्रकार मानता है। पत्रकार इसलिए मानता है क्योंकि वह बड़ी प्राथमिकता के साथ लोगों की आवाज बनकर सत्ता से सवाल करते हैं, जो अधिकार कहीं न कहीं हमारे संविधान ने दिया है।

यदि इस समय हम यह कहे कि गलत काम का गलत नतीजा हमेशा ही भुगतना पड़ता है, इस समय बिहार में कुछ ऐसा ही देखा जा रहा है। एक यूट्यूबर पत्रकार के द्वारा सवाल पूछने पर एनएसए सहित कई गंभीर धारा लगा दिए गए, राज्य व देशद्रोही बताने का प्रयास किया जा रहा है। दो राज्यों के बीच तनाव पैदा करने का आरोप लगाया जा रहा है, जबकि तमाम तरह से तमिलनाडु में बिहारियों के साथ मारपीट होने की घटना कई बार आ चुकी है। यह कोई नई बात नहीं है। हर साल ऐसी कई घटनाएं देखने या सुनने को मिल जाती हैं, कुछ दब जाती हैं तो कुछ अखबारों व टीवी चैनलों की सुर्खियां बन जाती हैं, कुछ इस बार भी ऐसा ही देखने को मिला जिस पर यूट्यूबर और मनीष कश्यप ने खबर के माध्यम से मौजूदा बिहार सरकार से सवाल किया, सवाल करना ही उसे भारी पड़ गया, उन्हें लोगों के हित के लिए सवाल करना ही उन्हें मुश्किलों में डाल दिया, मनीष

कश्यप के जेल जाने से मनीष कश्यप को नुकसान कम उससे ज्यादा नुकसान बिहार के डिप्टी सीएम व सीएम को होने लगा है। जहां मनीष कश्यप के लिए जनसमर्थन व लोकप्रियता बढी है, भले ही यह भावनाओं व भावुकता में बढी है, पर बढ़ रही है। पर वहीं मौजूदा सरकार की इस कार्यप्रणाली पर बिहार का एक बहुत बड़ा वर्ग नाराज हो गया जिसका परिणाम आगामी 2025 विधानसभा चुनाव में भुगतना पड़ सकता है? जहां यूट्यूबर और मनीष कश्यप के लिए जन समर्थन के साथ पूरे देश के वकीलों व कई पार्टियों व दलों का समर्थन मिल रहा है तो वहीं मौजूदा सरकार के वोट बैंक पर सेंध भी लग रही है। इस समय पूरे मीडिया में मनीष कश्यप छाए हुए हैं। मनीष कश्यप के साथ जहां लोगों की भावनाएं जुड़ गई है, वहीं मनीष कश्यप के साथ हो रहे कार्यवाहीयों के खिलाफ सरकार की फजीहत भी हो रही है। जेल के बाहर चल रहा है सियासत का खेल- यूट्यूबर पत्रकार मनीष कश्यप इस समय जेल में है, और जेल के बाहर सियासत भी खूब चल रही है, और सियासत चले तो चले क्यों ना... मनीष कश्यप जेल में रहे इसके लिए सत्ता पूरा प्रयास कर रहा है। ऐसा लग रहा है कि मनीष कश्यप के बाहर निकलने से आगामी चुनाव में उन्हें नुकसान तो हो सकता है? मनीष कश्यप पर दिमाग लगाने के बजाय यदि सत्ता में आना है तो सत्ता के लिए काम करना चाहिए, ना की आलोचना करने वाले के पीछे हाथ पैर धो कर पड़ जाना चाहिए, आलोचना सहने की शक्ति नहीं है, तो फिर सत्ता पाने की भी लालसा नहीं रखनी चाहिए। आप यह सोचते हैं कि सत्ता पाकर आप कुछ भी कर सकते हैं तो यह भूल है। सत्ता लोगों की सेवा के लिए हासिल करें ना कि लोगों को परेशान करने के लिए। जब भी सत्ता मिलती है तो सत्ता के ऊपर विपक्ष से लेकर, मीडिया से लेकर तमाम लोगों की नजरें होती हैं। मीडिया आलोचना करके बता देता है पर आम लोग उसे दबा कर रखते हैं, और उसका प्रतिफल चुनाव के वक्त मिलता है।

मनीष कश्यप के गिरफ्तारी के बाद हैं 64 विधायक व दर्जनों सांसद नाराज- सूत्रों की माने तो मनीष कश्यप की गिरफ्तारी के बाद 64 विधायक व दर्जनों सांसद नाराज हैं। नीतीश की डूब सकती है नैया या मिलेगा किनारा? यूट्यूबर मनीष कश्यप के जेल जाने के बाद से मौजूदा सरकार की नैया डगमगाती दिख रही है, सरकार ने भी ऐसा नहीं सोचा था कि मनीष कश्यप के जेल जाने के बाद ऐसी भी स्थिति निर्मित होगी। यह सोचकर मनीष पर कार्रवाई की गई थी कि मौजूदा सरकार के लिए अच्छा होगा, मौजूदा सरकार को इस बात का अंदाजा भी नहीं था कि मनीष कश्यप की गिरफ्तारी से मौजूदा सरकार की इतनी बड़ी फजीहत हो जाएगी। यदि थोड़ा सा भी इस बात का अंदाज होता तो शायद सरकार यह कदम नहीं उठाती। क्या सीएम की कुर्सी मिलने से पहले ही तेजस्वी की हो गई फजीहत?- बिहार में भावी सीएम पद के लिए तेजस्वी का नाम सबसे ऊपर चल रहा था पिछले विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव ने खूब लोकप्रियता बटोरी थी और बहुत कम अंतर से कई सीटों पर उन्हें हार मिली थी, जिस प्रकार से उन्हें जनसमर्थन मिला था वैसे में लोगों को लग रहा था कि तेजस्वी ही सीएम होंगे पर अंततः किस्मत को कुछ और ही मंजूर है। सीएम की जगह डिप्टी सीएम बने, डिप्टी सीएम बनने के बाद वह अगले बार सीएम बन सकते थे, जिसके लिए उन्हें बड़ा करने की जरूरत थी। पर एक पत्रकार के पीछे पड़कर अपनी फजीहत कराते नजर आ रहे हैं। पॉलिटिकल प्लान ए टू जेड हो गया फेल- पॉलिटिक्स प्लान में यदि आप एक आम पत्रकार के पीछे अपना समय बिता देंगे तो फिर आगे की पॉलिटिक्स कैसे करेंगे। ऐसे में तो आप के बनाए हुए ए टू जेड प्लान फेल हो जाएंगे, एक पत्रकार के चक्कर में आप अपने ही राज्य में अपनी लोकप्रियता पर ग्रहण लगा लिए, आलोचनाओं की बाढ़ आ गई है। जहां एक पत्रकार सिर्फ आलोचना कर रहा था, अब राज्य व पूरा देश आप की आलोचना में डूब गया है। अब क्या सत्ता पाने के लिए सब को जेल में डाल देंगे? क्या मनीष की गिरफ्तारी से तेजस्वी यादव का चुनाव में निकले गया दिवाला?- मनीष कश्यप ने 18 मार्च को सुबह बेतिया में सरेंडर किया। ठीक 48 घंटे बाद ही तेजस्वी की भाषा बदल गई, तेजस्वी मनीष की गिरफ्तारी को अपनी शान समझ रहे थे। 48 घंटे में ही अकड़ सियासी तौर पर ढीली होगी, 48 घंटे बाद ही तेजस्वी यादव मीडिया के सामने आते हैं और कहते हैं ना मुझे सीएम बनना है ना नीतीश को प्रधानमंत्री बनना है।

यूट्यूब मनीष कश्यप को सुप्रीम कोर्ट से भरोसा- यूट्यूब मनीष कश्यप को अब सुप्रीम कोर्ट पर ही भरोसा है वहीं से ही उन्हें राहत मिल सकती है बाकी सरकारें तो उसके खिलाफ है और वह नहीं चाहेंगे कि मनीष कश्यप को राहत मिले, यही वजह है कि देश के माने जाने अधिवक्ता को सरकार अपने दलील कोर्ट में रखने के लिए रखा है मनीष कश्यप के उपर राष्ट्रीय सुरक्षा एक्ट लगाया गया है जिस पर सुप्रीम कोर्ट से लेकर पूरा देश पूछ रहा हैं की राष्ट्रीय सुरक्षा एक्ट किस वजह से लगाया गया? सरकार भी अपना सर खुजा रही है अब सरकार को देना होगा सुप्रीम कोर्ट में 28 अप्रैल 2023 को को जबाब की क्यों लगाया एनएसए? इस पर क्या जवाब देती है 2 राज्यों की सरकार है देखने वाली बात होगी। वही मनीष कश्यप व उनके परिवार को पूरा भरोसा है सुप्रीम कोर्ट व भारत के न्याय प्रणाली पर की उन्हें इंसाफ जरूर मिलेगा और राहत भी जरूर मिलेगी, वहीं अब मनीष कश्यप के चाहने वालों को 28 अप्रैल 2023 तक इंतजार करना पड़ेगा, 28 अप्रैल को ही मनीष कश्यप मामले कोई बड़ा अपडेट आ सकता है।

रवि सिंह
कटकोना
कोरिया
(छत्तीसगढ़)

महिलाओं की काबिलियत का अपमान मत कीजिए

इक्कीसवीं सदी के आधुनिक युग में भी कुछ लोगों की सोच महिलाओं के लिए नहीं बदली। उनको लगता है सदियों से चली आ रही समाज व्यवस्था परफ़ेक्ट है। मर्द बाहर जाकर काम करें और औरतें घर परिवार संभालें। वो ये नहीं सोचते कि इस महंगाई के ज़माने में दो सिरों को जोड़ने के लिए स्त्री का बाहर जाकर काम करना जरूरी बन गया है। आजकल की लड़कियों में वो क्षमता और काबिलियत है जो घर के साथ-साथ ऑफ़िस भी संभाल सकें।

आज के दौर में हर लड़की, हर महिला को आत्मनिर्भर होना चाहिए। भले ही पैसों की कमी न हो, पैसों के लिए न सही अपने अंदर छुपे हुनर और योग्यता से समाज में अपनी स्वपहचान बनाकर खुद को प्रस्थापित करने के लिए भी काम करना चाहिए। पर कई बार कुछ लोगों की मानसिकता देख ताज्जुब होता है। अगर किसी महिला का पति सक्षम है, और लाखों में कमाता है फिर भी वो महिला अगर काम करती है तो लोग उसे कहते है! तुम्हें काम करने की क्या जरूरत है? तुम्हारा पति तो पैसे वाला है। या उस महिला की पीठ के पीछे बोलते हुए कहते है लगता है घर में जरूर कोई प्रॉब्लम होगी या पति कंजूस होगा तभी तो इतनी सुख साह्यबी होने के बावजूद काम करती है। या तो कुछ लोगों को तो महिला का घर से बाहर जाकर काम करने पर ही एतराज़ होता है, कहेंगे औरत ज़ात की जगह घर का चूल्हा चौंका तक होती है, बाहर जाकर काम करना शोभा नहीं देता। कभी-कभी तो सुखी संपन्न घरवालों की सोच भी उसी मानसिकता पर अटक जाती है घर की औरत बाहर काम करने की बात करें तो कह देंगे, हमारे घर में पैसों की क्या कमी है? क्यूँ तुम्हें बाहर जाकर काम करना है? घर पर बैठो और परिवार संभालो। ये कहकर आप महिला का और उसके जेंडर का अपमान नहीं करते बल्कि उसकी मेहनत, उसकी शिक्षा, उसकी लगन, उसकी कला, उसकी स्मार्टनैस और योग्यता का भी अपमान कर रहे है। पति भले लाखों कमाता हो पर अपने बलबुते पर कमाए हजार रुपये पर हर औरत को नाज़ होता है।

पूछिए उन कुछ एक महिलाओं से जो पति की कमाई पर निर्भर होती है लाखों बार मन मारते जीना पड़ता है, अपनी पसंद की चीज़ खरिदने से सकुचाती है, और ज़्यादा कीमती चीज़ की तरफ़ देखने से भी कतराती है। क्या गलत है अगर अपनी काबिलियत पूरवार करते महिलाएँ आगे बढ़ती है, चार पैसे किमती है।

अपने मजबूत इरादों से औरत नामुमकिन को मुमकिन में बदलने की क्षमता रखती है। उसे बढ़ने दो, उनके हक का आसमान दो एक आत्मनिर्भर औरत अपने बच्चों को सुरक्षित जीवन देने के साथ-साथ आगे बढ़ने का मकसद हिम्मत और हौसला भी देती है। कामकाजी माँ के बच्चों को आत्मनिर्भरता की शिक्षा घर से ही मिलती है। मत रोको उनके कदमों को बंदीशों की बेड़ियों में कैद करके। कामकाजी महिला आज के ज़माने की जरूरत है। ज़िंदगी दगाबाज़ है, वक्त कब क्या दिखलाएगा कोई नहीं जानता किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए अपने पैरों पर खड़ा होना पहली शर्त है। अगर पैसों के लिए महिला किसीकी मोहताज नहीं होगी तो हर मुश्किल का सामना आसानी से कर पाएगी। न माँ-बाप, न पति, न ससुराल वालें किसीके उपर निर्भर न रहकर अपनी जंग अपने दम पर लड़ सकती है। इसलिए बेटियों को पढ़ा लिखा कर इतनी काबिल बनाईये कि ज़िंदगी के हर पड़ाव पर खुद को सुरक्षित महसूस करें और हर परिस्थिति से लड़ने के लिए तैयार रहें।

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर, कर्नाटक

पर्यावरण को भी प्रभावित कर रही है बढ़ती आबादी

'संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष' (यूएनएफपीए) की 'स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट' के मुताबिक भारत की आबादी अब चीन की कुल 142.5 करोड़ आबादी की तुलना में 142.8 करोड़ हो गई है और भारत अब दुनिया का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन गया है। दुनिया की कुल आबादी अब 8.045 अरब हो चुकी है। कुछ ही महीने पहले यूएन द्वारा जारी किए गए वैश्विक आंकड़ों के अनुसार दुनिया की कुल आबादी 8 अरब के आंकड़े को पार कर गई थी और तभी यह अनुमान लगाया गया था कि सर्वाधिक आबादी वाले देश के मामले में भारत 2023 तक चीन को पछाड़ देगा। यूएनएफपीए के मुताबिक दुनिया की आबादी सात से आठ अरब होने में केवल 12 वर्ष का समय लगा जबकि दुनिया की आबादी को 1 से 2 अरब होने में 100 साल से भी ज्यादा लगे थे। हालांकि दुनिया की आबादी तेजी से बढ़ने को संयुक्त राष्ट्र मानवता की उपलब्धियों के प्रमाण के रूप में देख रहा है और यह सही भी है कि इसमें सबसे बड़ा योगदान शिक्षा तक पहुंच का विस्तार, स्वास्थ्य देखभाल में प्रगति, लैंगिक असमानता में कमी इत्यादि कारकों का है लेकिन भारत जैसे विकासशील देशों के लिए बढ़ती आबादी के खतरे भी कम नहीं हैं। विश्व की कुल आबादी में से करीब 18 फीसद लोग अब भारत में रहते हैं और दुनिया के हर 6 नागरिकों में से एक से ज्यादा भारतीय है। अगर भारत में जनसंख्या की सघनता का स्वरूप देखें तो जहां 1991 में देश में जनसंख्या की सघनता 77 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर थी, 1991 में बढ़कर वह 267 और 2011 में 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गई।

हालांकि भारत के दुनिया का सर्वाधिक आबादी वाला देश बनने को अपार संभावनाओं के साथ जोड़कर देखा जा रहा है लेकिन संभावनाओं के साथ-साथ बढ़ती आबादी की चुनौतियां ज्यादा हैं। भारत में बढ़ती आबादी के बढ़ते खतरों को इसी से बखूबी समझा जा सकता है कि दुनिया की कुल आबादी का करीब छठा हिस्सा विश्व के महज ढ़ाई फीसदी भूभाग पर ही रहने को अभिशप्त है। जाहिर है कि किसी भी देश की जनसंख्या तेज गति से बढ़ेगी तो वहां उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी उसी के अनुरूप बढ़ता जाएगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो आज दुनियाभर में करीब एक अरब लोग भुखमरी के शिकार हैं और अगर वैश्विक आबादी बढ़ती रही तो भुखमरी की समस्या बहुत बड़ी वैश्विक समस्या बन जाएगी, जिससे निपटना इतना आसान नहीं होगा। बढ़ती आबादी के कारण ही दुनियाभर में तेल, प्राकृतिक गैसों, कोयला इत्यादि ऊर्जा के संसाधनों पर दबाव अत्यधिक बढ़ गया है, जो भविष्य के लिए बड़े खतरे का संकेत है। जिस अनुपात में भारत में आबादी बढ़ रही है, उस अनुपात में उसके लिए भोजन, पानी, स्वास्थ्य, चिकित्सा इत्यादि सुविधाओं की व्यवस्था करना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है।

इस समय भारत की आबादी दुनिया में सर्वाधिक 1.428 अरब है और उसके बाद चीन की आबादी 1.425 अरब है। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि 2050 तक भारत की आबादी 1.668 अरब हो जाएगी जबकि चीन की आबादी उस समय 1.317 अरब रहने का अनुमान है। हालांकि हम इस बात पर थोड़ा संतोष व्यक्त कर सकते हैं कि जनसंख्या वृद्धि दर के वर्तमान आंकड़ों की देश की आजादी के बाद के शुरूआती दो दशकों से तुलना करें तो 1970 के दशक से जनसंख्या वृद्धि दर में निरन्तर गिरावट दर्ज की गई है लेकिन यह गिरावट दर काफी धीमी रही है। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक भारत में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या वृद्धि की गति धीमी हुई है। वर्ष 1971-81 के मध्य वार्षिक वृद्धि दर 2.5 प्रतिशत थी, जो 2011-16 में घटकर 1.3 प्रतिशत रह गई। जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार को नियंत्रित रखने के लिए औसत प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और कुछ समय पूर्व राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला था कि देश में यह दर 2.2 से घटकर 2 हो गई है तथा राहत की बात यह भी है कि मुस्लिम समुदाय में भी औसत प्रजनन दर तेज गिरावट के साथ 2.36 हो गई है।

पिछले कुछ दशकों में देश में शिक्षा और स्वास्थ्य के स्तर में निरन्तर सुधार हुआ है, उसी का असर माना जा सकता है कि धीरे-धीरे जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आई है लेकिन यह इतनी भी नहीं है, जिस पर जश्न मनाया जा सके। बेरोजगारी और गरीबी ऐसी समस्याएं हैं, जिनके कारण भ्रष्टाचार, चोरी, अनैतिकता, अराजकता और आतंकवाद जैसे अपराध पनपते हैं और जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण किए बिना इन समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। विगत दशकों में यातायात, चिकित्सा, आवास इत्यादि सुविधाओं में व्यापक सुधार हुए हैं लेकिन तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ये सभी सुविधाएं भी बहुत कम पड़ रही हैं। जनसंख्या वृद्धि की वर्तमान स्थिति की भयावहता के मद्देनजर पर्यावरण विशेषज्ञों की इस चेतावनी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि यदि जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार में अपेक्षित कमी लाने में सफलता नहीं मिली तो निकट भविष्य में एक दिन ऐसा आएगा, जब रहने के लिए धरती कम पड़ जाएगी और बढ़ती आबादी जरूरी संसाधनों को निगल जाएगी। विश्वभर में अभी भी डेढ़ अरब से ज्यादा लोग ढ़लानों पर, दलदल के करीब, जंगलों में तथा ज्वालामुखी के क्षेत्रों जैसी खतरनाक जगहों पर रह रहे हैं।

बढ़ती आबादी का सर्वाधिक चिंतनीय पहलू यह है कि इसका सीधा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ रहा है। विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार प्राकृतिक संसाधनों से जितनी भी आमदनी हो रही है, वह किसी भी तरह पूरी नहीं पड़ रही, दशकों से यही स्थिति बनी है और इसे लाख प्रयासों के बावजूद सुधारा नहीं जा पा रहा। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक सन् 2050 तक विश्व की दो तिहाई आबादी नगरों में रहने लगेगी और तब ऊर्जा, पानी तथा आवास की मांग और बढ़ेगी जबकि बहुत से पर्यावरणविदों का मानना है कि सन् 2025 तक ही विश्व की एक तिहाई आबादी समुद्रों के तटीय इलाकों में रहने को विवश हो जाएगी और इतनी जगह भी नहीं बचेगी कि लोग सुरक्षित भूमि पर घर बना सकें। इससे तटीय वातावरण तो प्रदूषित होगा ही, पर्यावरण का संतुलन भी बिगड़ जाएगा। बहरहाल, भारत में जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण पाने के लिए हमें कुछ कठोर और कारगर कदम उठाते हुए ठोस जनसंख्या नियंत्रण नीति पर अमल करने हेतु कृतसंकल्प होना होगा ताकि कम से कम हमारी भावी पीढ़ियां तो जनसंख्या विस्फोट के विनाशकारी दुष्परिणामों भुगतने से बच सकें।

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,
नई दिल्ली

जात राजनीति का जवाब हैं योगी

विपक्ष की जात राजनीति का जवाब भाजपा ज्यादा बड़ी जात राजनीति से देगी या उसका जवाब ज्यादा उग्र और आक्रामक हिंदुत्व से दिया जाएगा? इस सवाल के जवाब से आगे की राजनीति की दिशा, दशा और केंद्रीय चेहरे तय होंगे। विपक्ष ने जाति को अपना हथियार बनाया है। उनका मुद्दा सामाजिक न्याय है। बिहार से शुरू हुई मंडल दो की राजनीति पूरे देश में फैलेगी। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे उस रास्ते पर चल पड़े हैं। उनका मानना है कि पूरे देश में जाति आधारित जनगणना जरूरी है ताकि हर जाति को उसकी आबादी के हिसाब से आरक्षण दिया जा सके। आबादी के हिसाब से उसे देश के संसाधनों में हिस्सेदारी दी जाए। अगर सरकारी नौकरियां नहीं हैं या सरकारी स्कूल-कॉलेज पढ़ने लायक नहीं हैं तो निजी कंपनियों में भी आरक्षण लागू हो और निजी क्षेत्र के स्कूल-कॉलेजों में भी आरक्षण की व्यवस्था हो। यही विपक्ष की अगले चरण की राजनीति का मुख्य मुद्दा बनने वाला है।

इसका जवाब देने के लिए भाजपा के पास दो रास्ते हैं। पहला रास्ता तो वह है, जिसका ऐलान विपक्षी पार्टियों से पहले खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। उन्होंने 2021 में जब अपनी दूसरी सरकार में पहली बार फेरबदल की तो ऐलान करके कहा कि उनकी सरकार में सबसे ज्यादा ओबीसी यानी अन्य पिछड़ी जातियों के मंत्री हैं। प्रधानमंत्री ने अपने नए मंत्रियों का जब संसद में परिचय कराया तब भी यह बात कही कि उनकी सरकार में सबसे ज्यादा ओबीसी, एससी और एसटी मंत्री बने हैं और यह बात विपक्ष को पसंद नहीं आ रही है। मोदी की दूसरी सरकार में 27 ओबीसी मंत्री हैं और 20 एससी वह एसटी समुदाय के मंत्री हैं। जो 27 ओबीसी मंत्री हैं उनमें से 19 अति पिछड़ी जातियों के हैं। यह विपक्ष की जात राजनीति का एक जवाब है। भाजपा बार बार बताती है कि प्रधानमंत्री मोदी पिछड़ी जाति से आते हैं। सो, पिछड़ी जाति के प्रधानमंत्री की सरकार में सबसे ज्यादा पिछड़ी जाति के मंत्री हैं। जरूरत पड़ने पर और भी बनाए जा सकते हैं। आरक्षण को लेकर भी भाजपा कह चुकी है कि मोदी के रहते कोई आरक्षण को हाथ भी नहीं लगा सकता है।

लेकिन जाति और आरक्षण की राजनीति को लेकर भाजपा की सीमाएं हैं। वह एक सीमा से आगे नहीं बढ़ सकती है। उसके पीछे राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ खड़ा है, जिसके बारे में धारणा है कि वह अगड़ी जाति के लोगों का संगठन है और आरक्षण विरोधी है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने एक बार आरक्षण की समीक्षा करने की बात कही थी। इस पर बिहार में ऐसी राजनीति हुई थी कि 2015 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां साफ हो गई थीं। यह भी तय है कि भाजपा जाति आधारित जनगणना नहीं कराने जा रही है। इसका कारण यह है कि जाति जनगणना के आंकड़े हिंदू समाज को पहले से ज्यादा विभाजित करेंगे। सैकड़ों जातियां अपनी संख्या लेकर सत्ता में हिस्सेदारी की बात करेंगी। इससे हिंदुत्व का समूचा नैरेटिव फेल होगा। भाजपा अब तक व्यापक हिंदू समाज को कंसोलिडेट करने के लिए जो प्रयास कर रही थी उसका तब कोई मतलब नहीं रह जाएगा। मंदिर बनाने से लेकर 80 और 20 फीसदी तक की राजनीति का नारा राजनीतिक रूप से कारगर नहीं रह जाएगा।

हरिशंकर व्यास

जमाना

दिल ढूंढता है फिर से गुज़रा वो ज़माना
वो गुफ़्तगु सुहानी दिलकश वो फ़साना
उन लम्हों ने आंखों मे कई ख़्वाब सजाए
सब टूट गये रह गया अश्कों का ख़जाना
अब तज़्किरा नहीं है समाअत भी नहीं है
फिर हो गया सूकूत से यूं दोस्ताना
दिल डूबने लगा है फिर यादों के भंवर में
मोहसिन ने दें दिया है फिर से वो ठिकाना
सरगोशियां करने लगी तन्हाईयां भी अब
फिर हो न जाए बेखुद ये दिल है दीवाना

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

नया चलन बने

चलें जहाँ भी साथ साथ,
अंजुमन बने
मिलकर रहें, वतन-परस्त
ये वतन बने
सजाएं बाग़ बाग़बान
बनके हम अगर
तो ख़ूबसूरत सा
हमारा भी चमन बने
समर सिपाही बन गए,
तो ये ख़ौफ़ क्यूँ
के चाहे फिर लहू से
अपना पैरहन बने
लिख डालते हैं वो
जो नज़र आये चारसू
अपने ही साथ गुज़रे वही क्यूँ
सुख़न बने
गाएँगे गीत सारे जो हमारा दिल चाहे
ये देख ज़माने में
फिर नया चलन बने

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

दिलों के दरम्यां

हम दिलों के दरम्यां
दीवाल नही रखते।
लाख तकरार हो
कभी मलाल नही रखते।
वो खुद खिचें चले आते है
चाहत के सहारे,
हम परिंदो को पकड़ने
जाल नही रखते।
खुद समझ लेते है
हम दिल की हर बात,
उन के आगे बेवजह
सवाल नही रखते,
कोई परदा नही रखते,
जब भी मिलते है ,
दोस्ती में अपने पराये का
ख्याल नही रखते।
वो जो हम पे फिदा है,
सब खुदा का करम है,
मुकद्दर है, हम
कोई कमाल नहीं रखते।

ओमप्रकाश बिन्जवे राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

मानवता का एहसास

गलती से इंसान ख़ुद को
ख़ुदा मान बैठा था
हर चीज़ का ख़ुद को
हकदार मान बैठा था
प्रकृति से खिलवाड़ को,
खेल मान बैठा था
अपनी धुन में मगन ,
अहंकारी बन बैठा था
नियति ने भी फिर एक
ऐसा खेल है रचाया
खुद में खोए हुए
मानव को आइना दिखाया
परमात्मा ने बुद्धि देकर
मानव हमें था बनाया
एक बीमारी ने दस्तक देकर
घुटनों पे बैठाया
गौरवशाली बलशाली
होना निरर्थक ठहराया
अहंकार में खुद को
बलशाली मान बैठा था
प्रकृति और पर्यावरण को
भुला वो बैठा था
ऊंच नीच की रेखा
हर जगह लगाए बैठा था
लोगों को धर्मों व जाति में
बाँटे हुए बैठा था
अपने ही किये पे
आज खुद है पछताया
खुद कैद में रहकर,
आज उसे समझ आया
लाखों की मौत ने
सोचने पे मजबूर कराया
मानवता का क्या महत्व ,
ये एहसास कराया

आशीष शर्मा अमृत
जयपुर, राजस्थान

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

C M Y K

सनातन द्रोहियों को संरक्षण दे कर भयादोहन की राजनीति कर रही राज्य सरकार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

संत समाज से जुड़े संत स्व. गहिरा गुरु के पुत्र जिला पंचायत सदस्य एवं आदिवासी नेता गेंदबिहारी सिंह के साथ बगीचा (जशपुर) पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्वक मारपीट किए जाने को लेकर बुधवार को संकल्प भवन भाजपा कार्यालय अम्बिकापुर में पूर्व गृह मंत्री राम सेवक पैकरा ने प्रेस को संबोधित किया। इस दौरान रामसेवक पैकरा ने कहा कि प्रदेश के महान संत समाज की स्थापना कर समूचे दुर्गम क्षेत्रों में भी सांस्कृतिक चेतना प्रवाहित करने वाले गहिरा गुरु के पुत्र,जनप्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्य और आदिवासी नेता गेंदबिहारी सिंह के साथ बगीचा एसडीओपी शेरबहादुर सिंह ठाकुर, आरक्षक राजकुमार मनहर, आरक्षक संतोष उपाध्याय और पुलिस प्रशासन समर्थित लोगों द्वारा मारपीट की गई, इसकी हम घोर निंदा करते हैं।

आगे उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल सनातन द्रोहियों को संरक्षण दे कर भयादोहन की राजनीति कर रहे हैं, कांग्रेस की साकार में लगातार हिन्दुओं का अपमान, सनातन संस्कृति दबाना, सांप्रदायिक तुष्टिकरण और अपराध की घटनाएं अनवरत हैं। अब ऐसी आतंकी एवं आपराधिक कृत्यों में पुलिस को भी कांग्रेस सरकार ने शामिल कर लिया है। ऐसा लगता है कि भूपेश बघेल वन मैन शो चलाना चाहते हैं, न केवल विरोधी दल के नेताओं को बल्कि अपनी पार्टी में अन्य गुट के नेताओं को भी आतंकित कर के रखना चाहते हैं। जिस प्रदेश में गृह विभाग के संसदीय सचिव अर्थात राज्य मंत्री के सगे भाई तक सुरक्षित नहीं, राज्यमंत्री ओहदेद्दार का परिवार अगर भूपेश की पुलिस के हाथों इस तरह सरेआम पीटा जा रहा हो तो प्रदेश की आम जनता कितनी सुरक्षित है इस सरकार में, यह चिंता का विषय है।

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि इस बर्बरता और पुलिसिया आतंक के विरुद्ध 27 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी ने सरगुजा संभाग में आंशिक बंद का आह्वान किया है, यह बंद सुबह 9 से 12 बजे तक किया जाएगा। आगे उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी यह मांग करती है कि सभी दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल बर्खास्त किया जाय, इनके विरुद्ध उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच हो, दोषियों पर एट्रोसिटी एक्ट के तहत मुक़दमा दर्ज कर उन्हें तत्काल गिरफ्तार किए जाए, मुख्यमंत्री इस घटना के लिए समूचे प्रदेश और विशेष कर आदिवासी समाज से हाथ जोड़ कर माफी मांगें। प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष लालन प्रताप सिंह की मार्गदर्शन में एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर, पूर्व सांसद कमल भान सिंह, ओबीसी मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सोनी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भारत सिंह सिसोदिया, जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता, पूर्व निगम सभापति त्रिलोक कपूर कुशवाहा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष फुलेश्वरी सिंह, मंडल अध्यक्ष मधुसुदन शुक्ला एवं जिला सह मीडिया प्रभारी रुपेश दुबे की उपस्थिति थे।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का परीक्षा परिणाम घोषित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुभाषनगर अंबिकापुर में 25 अप्रैल को वार्षिक परीक्षाफल 2023 की घोषणा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरस्वती शिशु मंदिर सुभाषनगर अंबिकापुर के व्यवस्थापक बसंत कुमार गुप्ता तथा अभिभावक प्रतिनिधि विजय व्यापारी एवं भास्कर मिश्रा उपस्थित थे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों द्वारा माता सरस्वती ओम तथा भारत माता के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथियों का स्वागत विद्यालय के आचार्य बनवीर एक्का एवं चिरंजीव सिंह द्वारा तिलक लगाकर एवं श्रीफल भेंट कर किया गया। अर्चना सरकार द्वारा परीक्षाफल की जानकारी दी गई। इस सत्र में गृह परीक्षा में 268 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए जिसमें 259 उत्तीर्ण हुए। इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम 97 प्रतिशत रहा। प्रथम श्रेणी से 139 छात्र द्वितीय श्रेणी से 72 छात्र एवं तृतीय श्रेणी से 48 छात्र उत्तीर्ण हुए। कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किए प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किए परीक्षार्थियों को मुख्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया।

तलवार व चैन स्पॉकेट से बने हथियार के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

तलवार व चैन स्पॉकेट से बने हथियार दिखा कर एक युवक आने जाने वाले लोगों को डारा धमका रहा था और वीडियो बना रहा था। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तलवार व चैन स्पॉकेट से बने हथियार बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के बाधियाचुआं चौक के पास 25 अप्रैल को एक युवक हाथ में तलवार व चैन स्पॉकेट से बने हथियार लेकर आमनागरिकों को आतंकित करते हुए मोबाइल से वीडिया बना रहा था। लोगों ने घटना की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर आरोपी अनिकेत चौधरी निवासी बौरीपारा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तलवार व चैन स्पॉकेट से बने हथियार जब्त किया है। पुलिस द्वारा आरोपी के सोशल मीडिया अकाउंट चेक करने पर पता चला कि अन्य आरोपी अभय किंडो एवं मनोज प्रजापति द्वारा भी सोशल मीडिया में आपत्तिजनक फोटो अपलोड करना पाया गया है। पुलिस ने आरोपी अभय किंडो निवासी खैरबार एवं मनोज प्रजापति साकिन बौरिपारा को भी गिरफ्तार कर दोनों आरोपियों के खिलाफ 151, 107, 116 (3) के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है। वहीं आरोपी आरोपी अनिकेत चौधरी के खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली उप निरीक्षक रुपेश नारंग, सहायक उप निरीक्षक मनोज उपाध्याय, आरक्षक चंचलेश सोनवानी, लालमोहन सिंह, सूरज राय एवं पुलिस स्टाप शामिल रहे।

इनोवा से आकर चोरों ने गैरेज में खड़े पिकअप से की थी टायर चोरी,खरीदार सहित चार गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

बॉडी गैरेज में खड़े पिकअप वाहन का टायर चोरी करने के मामले में पुलिस ने तीन चोर व एक खरीददार को गिरफ्तार किया है। चोर इनोवा वाहन से आकर चोरी की घटना को अंजाम दिए थे। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त इनोवा व चोरी की टायर भी जब्त किया है। पुलिस ने चारों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

प्रार्थी रामबली विश्वकर्मा साकिन सोनपुरकला द्वारा थाना कोतवाली आकर रिपोर्ट दर्ज कराया गया कि घटना दिनांक 20 अप्रैल की रात्रि दौरान कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मेरे बॉडी गैरेज मे खड़ी सोल्ड पीकप वाहन से एक नग डिस्क सहित टायर चोरी कर लिया गया है। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर सदर धारा 379, 411, 34 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। मामले मे थाना प्रभारी कोतवाली उप निरीक्षक रुपेश नारंग एवं पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में मुखबीर तैनात किये गए थे। इस दौरान पता तलाश घटनास्थल एवं आसपास का सीसीटीवी फूटेज चेक कर 3 संदिग्ध की पहचान कर त्वरित कार्यवाही करते हुए विक्की गोस्वामी, मुकेश दास एवं रोहित रजक साकिन कर्रा राजपुर की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपियों द्वारा पिकप वाहन से डिस्क सहित टायर चोरी करने की घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया। टायर को सोएब अख्तर निवासी महुआपारा को बेचना स्वीकार किया गया। जो मामले मे खरीददार को भी हिरासत में लिया गया हैं आरोपियों द्वारा अपराध घटित करना स्वीकार किये जाने पर अपराध सबूत पाये जाने गे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं, आरोपियों के कब्जे से 1 नग टायर मय डिस्क सहित घटना मे प्रयुक्त इन्नोवा वाहन बरामद किया गया हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी कोतवाली उप निरीक्षक रुपेश नारंग, सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, प्रधान आरक्षक विजय रवि, आरक्षक जयदीप सिंह, सत्येंद्र दुबे, उमेश गुप्ता, संजीव चौबे, रुपेश महंत शामिल रहे।

युवा स्वर्णकार समाज के नवनियुक्त पदाधिकारियों को किया गया सम्मानित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

शहर के कैलाश मोड़ स्थित स्वर्णकार भवन में युवा स्वर्णकार समाज के नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें पूर्व सरगुजा स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष व संरक्षक अखिलेश सोनी एवं वर्तमान अध्यक्ष राजेंद्र सोनी के मुख्य अतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अखिलेश सोनी ने कहा की मध्य प्रदेश सरकार स्वर्ण कला बोर्ड स्थापना की घोषणा की है। ऐसा छत्तीसगढ़ सरकार में भी होना चाहिए। स्वर्णकार समाज द्वारा यह मांग आवश्यक है। यह कार्य युवाओं के बिना सहभागिता के संभव नहीं है।

इस दौरान सरगुजा स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष राजेंद्र सोनी, अधिवक्ता डीके सोनी, मुंद्रिका सोनी, रामचंद्र सोनी, शालिग्राम सोनी, राजेश सोनी, अखिलेश सोनी ने भी संबोधित किया। सरगुजा युवा स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष जितेंद्र सोनी ने अपने कार्यकारिणी की घोषणा की जो इस प्रकार है- संरक्षक-निलेश सोनी, मनोज सोनी, संजय सोनी, राजेश सोनी, संदीप सोनी सिंधु, मनोज सोनी सीकू, सुरेंद्र सोनी पप्पू उपाध्यक्ष- राहुल सोनी बाबू, सुरेंद्र सोनी केदारपुर, सोनू सोनी, अरविंद सोनी, वीर सोनी, अखिलेश सोनी सीतापुर, दीपक सोनी मायापुर। महासचिव-ओपी अजय सोनी सत्तीपारा, सचिव-रिशु सोनी, मनीष सोनी रानू, अनुराग सोनी मैनपाट, प्रकाश सोनी (भोला) उदयपुर मुकेश सोनी रिंग रोड. सहसचिव- अजय सोनी (बिनिया, लखनपुर), आकाश सोनी नमना, प्रतीक सोनी (लक्की) सीतापुर, सचिन सोनी (लुण्ड्रा)। कोषाध्यक्ष-प्रमोद सोनी बल्लू। सहकोषाध्यक्ष- विशाल सोनी केनाबंध। प्रमुखसलाहकार- सीतेंद्र सोनी नमना कला प्रमोद सोनी लटोरी, अरुण सोनी लुण्ड्रा। कानूनी सलाहकार - विकास सोनी दर्रीपारा। कार्यक्रम प्रभारी- रोहित सोनी गोलू, अमित सोनी घुटरापारा, आकाश सोनी लड्डू, शशि सोनी, नीरज सोनी, संतन सोनी अविनाश सोनी कैलाश मोड़. मीडिया प्रभारी-मनीष सोनी घुटरापारा, सोशल मीडिया प्रभारी- पीयूष सोनी। प्रचार-प्रसार प्रमुख- शुभम सोनी। सह प्रचार-प्रसार प्रमुख - प्रदीप सोनी (टुनटुन)। कार्यसमिति सदस्य- अभिषेक सोनी, दीपक सोनी, राहुल सोनी, नीरज सोनी कल्याणपुर, आशीष सोनी, रवि सोनी, दीपक सोनी सत्तीपारा, मनीष सोनी मोनू, सत्यम सोनी, जीवित सोनी, रंजीत सोनी, अनुराग सोनी, शुभम सोनी, अमित सोनी, अजय सोनी अज्जू, जीतू सोनी, आकाश सोनी विश्वजीत सोनी चांदनी चौक शामिल हैं। उक्त सभी पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि व वरिष्ठ जनों ने माला पहना कर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में प्रमोद सोनी, अशोक सोनी, मनोज सोनी, रविंद्र सोनी, अरुण सोनी, सुरेश सोनी, महेश सोनी, मनीष सोनी, नीरज सोनी, मुरारी सोनी, विष्णु सोनी, दिलीप सोनी, प्रकाश सोनी तथा अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अभियोजन अधिकारियों ने विवेचकों को दिए कई महत्वपूर्ण सुझाव

- संवाददाता -
अंबिकापुर,26 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

आईजी राम गोपाल गर्ग व संयुक्त संचालक लोक अभियोजन सरगुजा संभाग मुकला शर्मा की उपस्थिति में 26 अप्रैल को आईजी कार्यालय के मीटिंग कक्ष में रेंज स्तरीय जिला अभियोजन अधिकारी, लोक अभियोजन अधिकारियों के दोष मुक्ति प्रकरणों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में न्यायालय द्वारा अधिकांश प्रकरणों में आरोपियों के दोष मुक्ति होने के कारणों के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। आयोजित बैठक में आईजी द्वारा कहा गया कि किसी भी मामलों में प्रकरणों के विवेचकों द्वारा विवेचना में किए जाने वाले त्रुटियों को दूर करने हेतु एवं भौतिक साक्ष्यों को सावधानी से एकत्र करने हेतु अभियोजन अधिकारियों ने सुझाव दिए। होस्टाईल हो रहे प्रार्थी एवं गवाहों को उनके द्वारा दिये गए अभिमत कथन पर कायम रहने हेतु विवेचकों को प्रकरण के प्रार्थियों के साथ लगातार सम्पर्क में रहने हेतु निर्देशित किये। जिससे की प्रकरण के प्रार्थी एवं गवाह अपने कथन को न्यायालय में निर्भीक एवं स्वतंत्र रूप से दे सके जिसके फलस्वरूप आरोपी न्यायालय से विचारणों उपरांत दोष सिद्ध हो सके एवं अपराधी द्वारा उसके किए गए अपराध की समुचित सजा मिल सके। आईजी द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि जिन प्रकरणों में एफआईआर करवाने वाले प्रार्थी, जिनका न्यालयाय में 164 सीआरपीसी के अंतर्गत कथन लिया गया है, वो अगर न्यालयाल में ट्रायल के दौरान होस्टाईल होते हैं तो उनके विरुद्ध धारा 182/211 आईपीसी के अंतर्गत कार्यवाही किए जानी की संभावना देखी जाए। बैठक की अगली कड़ी में जिला जशपुर और बलरामपुर की समीक्षा किया जाना प्रस्तावित है। समीक्षा बैठक के दौरान रेंज के जिला सरगुजा व सूरजपुर से आये जिला अभियोजन अधिकारी एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी सरगुजा मानक राम कश्यप, एसएस पैकरा, रीडर सुभाष ठाकुर मौजूद रहे।

बेरोजगारी भत्ता को लेकर भाजयुमो ने किया रोजगार कार्यालय का घेराव

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,26 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

बेरोजगारी भत्ता को लेकर बुधवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा ने रोजकार कार्यालय का घेराव कर प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस व भाजयुमो पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के बीच झूमाझटकी भी हुई। इस दौरान युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बेरिकेटिंग को तोड़ कर रोजगार कार्यालय में ताला लगाकर बेरोजगार कार्यालय का बोर्ड लगाया।

बेरोजगारी भत्ता को लेकर सरगुजा रोजगार कार्यलय का घेराव भाजयुमो जिला अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर के नेतृत्व में किया गया। जिसमें मुख्य रुप से युवा मोर्चा संभाग प्रभारी जितेंद्र देवांगन, जिला प्रभारी विकास झा, सरगुजा के वरिष्ठ नेता मेजर अनिल सिंह, भारत सिंह सिसोदिया, आलोक दुबे सहित सैकड़ों की संख्या में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भजयुमो ने कह कि वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में अंकित बेरोजगार युवाओं को प्रतिमाह 2500 रुपए देने का वादा के वादाखिलाफी के विरोध में रोजगार कार्यालय का घेराव किया गया है। घेराव में पुलिस से झूमा- झटकी के बाद युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बेरिकेटिंग को तोड़ कर रोजगार कार्यालय में ताला लगाकर बेरोजगार कार्यालय का बोर्ड लगाया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता मेजर अनिल सिंह ने कहा कि युवाओं की आवाज भारतीय जनता युवा मोर्चा बन कर उभरा है और युवाओं के आक्रोश से छत्तीसगढ़ की कांग्रेस की भ्रष्ट सरकार आने वाला चुनाव में उखड़ जाएगी। घेराव के दौरान सभा को संबोधित करते हुए सरगुजा संभाग के प्रभारी युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र देवांगन ने कहा कि सरकार के 4.5 वर्ष पूर्ण होने के बाद भी बेरोजगार युवाओं को उनका भत्ता नहीं दिया तथा अब 1 अप्रैल 2023 से उनके द्वारा बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही जा रही है वह भी तमाम

तरीकों से उलझन भरे नियमों के साथ सरकार की छ्लावा पूर्ण मानसिकता को दर्शाती है। शासन द्वारा घोषित 7 प्रकार की अपात्र शर्तो के नियमों की उलझनो के कारण छत्तीसगढ़ प्रदेश के लगभग 80 प्रतिशत युवा बेरोजगारी भत्ते को प्राप्त करने से वंचित रह जाएंगे जिसके विरोध में आज रोजगार कार्यालय का घेराव किया गया। सभा को संबोधित करते हुए प्रभारी विकास झा ने कहा कि जब से छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बनी है, उसने सिर्फ और सिर्फ युवाओ को छलने का काम किया है, कांग्रेस ने भले ही अपने लोक-लुभावन वादे से अकर्षित कर वोट हासिल कर सरकार बना लिया, लेकिन सरकार बनते ही केवल व केवल युवाओ के साथ धोखा किया, आने वाले चुनाव में सभी युवा एक जुट होकर सरकार को आईना दिखने का काम करेंगे 7 सरगुजा की बहुत बड़ी विडंबना है रोजगार कार्यालय के बगल में ही मदिरा दुकान संचालित हो रहा है यह सरगुजा जिले के लिए बहुत ही शर्मनाक बात है। भाजयुमो जिला अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर ने कहा कि सरकार केवल युवाओं के साथ छ्लावा कर रही है। यह सरकार रोजगार व बेरोजगारी भत्ता दोनों ही विषय में पुर्णतः विफल हो चुकी है। सरगुजा जिला में 90 हजार बेरोजगार पंजीकृत है, जिसमे केवल 600 लोग को बेरोजगारी भत्ता के लिए पात्र की सूची में डाला गया है जो की शर्मनाक कृत्य है। जिसके विरोध में युवाओं को अपना हक दिलाने भत्ता व रोजगार जैसे गंभीर विषय को लेकर युवा मोर्चा के सभी युवा साथियों के साथ आज रोजगार कार्यालय का घेराव किया गया है और अगर हमारी मांग पूरी नहीं होगी तो आगे भी युवाओं के हक में हमारी लड़ाई जारी रहेगी। घेराव कार्यक्रम में भारत सिंह सिसोदिया, आलोक दुबे, विकास पांडेय, कैलाश मिश्रा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री संजीव वर्मा व अंशुल श्रीवास्तव ने किया। घेराव में प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी सहित सभी मंडलों के अध्यक्ष व महामंत्री सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्या पाकिस्तान पर होगी एक और सर्जिकल स्ट्राइक?

पूर्व राजनयिक अब्दुल बासित को सता रहा डर

इस्लामाबाद, 26 अप्रैल 2023। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बीते 20 अप्रैल को भारतीय जवानों पर आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में डर का माहौल है। इस आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को एक और सर्जिकल स्ट्राइक का डर सताने लगा है। ये दावा भारत ने नहीं बल्कि पाकिस्तान की सरजमी पर पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक अब्दुल बासित ने किया है। हाल ही में सामने आए एक वीडियो में पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक अब्दुल बासित ने कहा कि अब पाकिस्तान में लोग भारत द्वारा एक और सर्जिकल स्ट्राइक या एयर स्ट्राइक किए जाने की बात कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि मुझे नहीं लगता कि वे ऐसा करेंगे क्योंकि वे इस साल एससीओ की बैठक और जी20 की अध्यक्षता कर रहे हैं। जब तक वे एससीओ के अध्यक्ष हैं, तब तक भारत कोई दुस्साहस नहीं करेगा। लेकिन अगले साल चुनावों के दौरान, भारत फिर से ऐसा कर सकता है। यह भारत में चुनाव से ठीक पहले हो सकता है।

पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक ने दिया बेतुका बयान

इस दौरान पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक अब्दुल बासित को एक बेतुके बयान के जरिए पुंछ आतंकी हमले को सही ठहराने की कोशिश करते हुए भी देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिसने भी यह किया है, चाहे वह मुजाहिदीन हो या कोई भी, उन्होंने नागरिकों को नहीं, बल्कि सेना को निशाना बनाया है। ये एक वैध संघर्ष में लगे हुए हैं। यदि आप एक आंदोलन कर रहे हैं, तो आप सेना को निशाना बना रहे हैं, लेकिन नागरिकों को नहीं। अंतरराष्ट्रीय कानून भी इसकी अनुमति देता है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि भारत जानता है कि हम कहां खड़े हैं।

आतंकी हमले के बाद आया वीडियो

अब्दुल बासित का यह वीडियो जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आतंकी हमले के कुछ दिन बाद सामने आया है। दरअसल, 20 अप्रैल को राजौरी सेक्टर में भीमबेर गली और पुंछ से गुजरने वाले सेना के एक वाहन पर अज्ञात आतंकवादियों ने ग्रेनेड से हमला कर दिया था। इस हमले में पांच सैनिक शहीद हुए थे। सेना ने इस घटना को लेकर जारी बयान में बताया था कि शहीद जवान राष्ट्रीय राइफल्स के थे।

सूत्रों के अनुसार, इस कुकृत्य को अंजाम देने वाले आतंकवादियों के लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से संबंधित होने का संदेह है। जिनका पता लगाने के बाद सेना ने बीते शुक्रवार को बड़े पैमाने पर अभियान चलाया था।

सूडान में संघर्ष के चलते आपदा में बदल रहा मानवीय संकट : संयुक्त राष्ट्र

खार्तूम 26 अप्रैल, 2023। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के सहायक महासचिव जॉयस मसूया ने कहा है कि सूडान में दो पक्षों में लड़ाई गंभीर मानवीय संकट पैदा कर रही है। उन्होंने सुरक्षा परिषद को एक ब्रीफिंग में बताया, सूडान में 15 अप्रैल से सशस्त्र बलों और त्वरित समर्थन बलों के बीच हिंसक झड़पें हो रही हैं। आम नागरिकों और सहायता कर्मियों के लिए ये संकट की घड़ी है। 15 अप्रैल से पहले भी, सूडान में मानवीय जरूरतें रिकॉर्ड स्तर पर थीं। उन्होंने कहा कि 15.8 मिलियन लोगों को - देश की आबादी का एक तिहाई हिस्सा - मानवीय सहायता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चार मिलियन बच्चे और गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाएं कुपोषित हैं। मसूया ने कहा कि करीब 37 लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं।

उन्होंने चेतावनी दी, यह संघर्ष मानवीय चुनौतियों की एक नई लहर पैदा कर रहा है। लड़ाई बड़े पैमाने पर सहायता कार्यों को बाधित कर रही है। मानवीय संकट आपदा में बदल रहा है।

संघर्ष में 450 से अधिक लोग मारे गए हैं और 4,000 से अधिक घायल हुए हैं। संसाधनों की कमी के कारण कम से कम 20 अस्पताल बंद हो गए हैं। मसूया ने कहा कि बिजली कटौती और ईंधन की कमी से टीके के स्टॉक और पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जो बीमारी के प्रसार को बढ़ाएगा।

ट्रंप का भय दिखाना है जो बाइडन की रणनीति, माग़ा चरमपंथियों का दिखाया खौफ

वॉशिंगटन, 26 अप्रैल 2023। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने 2024 के राष्ट्रपति में उतरने का एलान के साथ उनकी टीम की तरफ से जारी प्रचार सामग्री में 'मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) चरमपंथियों' से देश को बचाने का संकल्प जताया गया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि 'मागा चरमपंथी' अमेरिकी नागरिकों की बुनियादी स्वतंत्रताओं को छीनने पर आमादा हैं। मागा अमेरिका में एक शक्तिशाली आंदोलन बना हुआ है, जिसे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुरू किया था।

जो बाइडन के समर्थकों ने कहा है कि राष्ट्रपति ने डोनाल्ड ट्रंप से अमेरिका को बचाने के लिए फिर से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। अगले चुनाव अभियान में बाइडन का प्रचार मुख्य रूप से ट्रंप और उनके समर्थकों की तरफ से पैदा हो रहे खतरे पर केंद्रित रहेगा। बाइडन 80 वर्ष के हो चुके हैं। अगर वे दोबारा जीते, तो जनवरी 2025 में अपना नया कार्यकाल 82 साल की उम्र में शुरू करेंगे। इतनी उम्र में राष्ट्रपति कार्यकाल शुरू करने का यह एक नया रिकॉर्ड होगा।

बाइडन समर्थक अब पूरी रिपब्लिकन पार्टी को ट्रंप समर्थक बताने की रणनीति पर चल रहे हैं। उनकी तरफ से इस पार्टी को 'मागा रिपब्लिकंस' कहा जा रहा है। अपने पहले प्रचार वीडियो में जो बाइडन ने कहा है- 'चार साल पहले जब मैं राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ रहा था, तब मैंने कहा था कि अमेरिका की आत्मा बचाने की लड़ाई चल रही है। वो लड़ाई अभी भी जारी है। हमारे सामने सवाल यह है कि आने वाले वर्षों में हमारे पास अधिक स्वतंत्रता होगी या कम स्वतंत्रता होगी। हमारे पास अधिक अधिकार होंगे, या कम अधिकार होंगे।'

पर्यवेक्षकों के मुताबिक इस बात के ठोस संकेत हैं कि डेमोक्रेटिक पार्टी के एस्टैब्लिशमेंट ने 2024 के चुनाव में फिर से बाइडन पर दांव लगाने का फैसला कर लिया है। बाइडन की राह आसान बनाने के लिए डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी ने फैसला किया है कि इस बार पार्टी के अंदर उम्मीदवारी के दावेदारों के बीच बहस नहीं होगी। इससे डेमोक्रेटिक उम्मीदवारी पर दावा जता चुके दोनों नेता- रॉबर्ट केनेडी और मरियाना विलियम्सन नाराज हैं। विलियम्सन ने एक लंबे बयान में दावा किया है कि बाइडन ने 2020 के चुनाव में किए अपने खास वादों को पूरा नहीं किया। इसलिए अब उन्हें जवाबदेही से बचाने के लिए पार्टी नेतृत्व ने बहस की स्थापित परंपरा को खत्म किया है।

भारतीय मूल के व्यक्ति को सिंगापुर में दी गई फांसी, ड्रग तस्करी के आरोप में करार दिया गया था दोषी

नई दिल्ली, 26 अप्रैल 2023। भारतीय मूल के एक 46 वर्षीय व्यक्ति को मादक पदार्थों की तस्करी के जुर्म में सिंगापुर में बुधवार को फांसी दे दी गई। तस्कर को फांसी देने के आदेश का उसके परिवारीजनों के साथ ही मानवाधिकार कार्यकर्ता विरोध कर रहे थे। अदालत द्वारा सजा के खिलाफ दाखिल अपील को खारिज किए जाने के एक दिन बाद तंगाराजू सुप्पैया को चांगी जेल में बुधवार सुबह-सुबह फांसी दे दी गई।

दरअसल, फांसी को रोकने के लिए मृत्युदंड विरोधी प्रचारकों ने कोर्ट में याचिका दायर की थी। तंगाराजू सुप्पैया को अक्टूबर 2018 में एक हाई कोर्ट के न्यायाधीश द्वारा गांजे की तस्करी की साजिश रचने के साथ ही एक साथी को उकसाने के आरोप में दोषी ठहराया गया था। साथ ही उसने खुद भी एक किलोग्राम गांजे की तस्करी की थी। इस आरोप में नौ अक्टूबर 2018 को मौत की सजा सुनाई गई थी। उसे 2014 में पकड़ा गया था। बाद में वह ड्रग टेस्ट में भी फेल हो गया था।

फांसी के बाद तंगराजू की बहन लीलावती सुप्पैया ने जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि परिवार को मृत्यु प्रमाण पत्र मिला है। यह छह महीने में सिंगापुर की पहली फांसी थी।

मामले में सिंगापुर विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को ब्रिटिश अरबपति रिचर्ड ब्रैनसन के ब्लॉग पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी। ब्रैनसन ने अपने पोस्ट में कहा था कि क्यों तंगराजू सुप्पैया को फांसी नहीं दी जानी चाहिए? सुप्पैया की सजा मानकों पर खरी नहीं उतरी है। ऐसे में सिंगापुर कल एक निर्दोष व्यक्ति को फांसी देने जा रहा है।

फांसी के फैसले का हो रहा था विरोध

मंत्रालय ने कहा कि ब्रैनसन का दृष्टिकोण मौत की सजा के लिए सिंगापुर के जजों और नियमों का अनादर है। ब्रैनसन के अलावा सिंगापुर में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल और ऑस्ट्रेलियाई सांसद ग्राहम पेरेट ने भी बयान जारी किया। इस मामले में सिंगापुर में मौजूद यूरोपीय संघ के सदस्य राज्यों ने नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के साथ संयुक्त रूप से जारी अपने बयान में तंगराजू के फांसी को रोकने और उसकी सजा को कम करने का आह्वान किया।

सिंगापुर के विदेश मंत्री ने कही थी यह बात

सिंगापुर के विदेश मंत्री ने अरबपति के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा उनका दावा बिल्कुल भी सच नहीं है। यह अफसोसजनक है कि ब्रैनसन तंगाराजू के मामले पर बहस कर रहे हैं। सिंगापुर के न्यायालयों के बारे में और अधिक जानने के लिए उन्हें पहले मामले की गंभीरता को समझना चाहिए। कोर्ट ने तीन साल से ज्यादा समय में सबूतों और दलीलों के आधार पर अपना फैसला सुनाया है। फिर भी अगर अरबपति को लगता है कि वे कोर्ट से ज्यादा जानते हैं तो यह न्यायपालिका का अनादर है।

मंत्रालय ने बताया कि नशीली पदार्थों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इससे निपटने के लिए सिंगापुर ने जिरो टॉलरेंस का रुख अपनाया है। नशीली दवाओं की लत से छुटकारा पाने के लिए नशा मुक्ति केंद्रों पर भी फोकस किया जा रहा है।

आतंक फैलाने वाले देश से संबंध मुश्किल, बिलावल की भारत यात्रा से पहले पाकिस्तान को जयशंकर की खरी-खरी

पनामा, 26 अप्रैल 2023। मई में भारत में होने वाली एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर पाकिस्तान को आतंक की राह छोड़ने की नसीहत दी है। परोक्ष रूप से पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भारत के लिए ऐसे पड़ोसी के साथ संबंधों को बेहतर करना बहुत मुश्किल है, जो हमारे खिलाफ सीमा पार आतंकवाद का अभ्यास करता है। उन्होंने कहा कि भारत पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी संबंधों की बात करता है, साथ ही हमने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि इस तरह के जुड़ाव के लिए आतंक और शत्रुता से मुक्त वातावरण बनाने की जिम्मेदारी इस्लामाबाद की है। पाकिस्तान को लेकर उनकी यह टिप्पणी गुयना के पनामा में अपने समकक्ष के साथ प्रेस कांफ्रेंस करते हुए आई है।

बिलावल की भारत यात्रा से पहले जयशंकर की खरी-खरी

बता दें कि भारतीय विदेश मंत्री की यह टिप्पणी मई में होने वाली एससीओ के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक से पहले आई है। इससे पहले, पाकिस्तान ने यह पुष्टि की थी कि उसके विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अगले महीने की शुरुआत में गोवा में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की एक महत्वपूर्ण बैठक के लिए भारत का दौरा करेंगे।

पनामा की अपनी समकक्ष जनैना तेवने मेंकोमो के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने कहा कि हम दोनों (भारत-पाकिस्तान) एससीओ के सदस्य हैं। इसलिए, हम आम तौर पर बैठकों में भाग लेते हैं। हम इस वर्ष (एससीओ) के अध्यक्ष हैं। ऐसे में एससीओ बैठक भारत में हो रही है। इन सबके बीच, पाकिस्तान के साथ बेहतर संबंध की निचली रेखा यह है कि यह जिम्मेदारी हमारे लिए है। उन्होंने स्थिति साफ करते हुए कहा कि भारत के लिए ऐसे एक पड़ोसी के साथ जुड़ना बहुत मुश्किल है, जो हमारे खिलाफ सीमा पार आतंकवाद का अभ्यास करता है।

जयशंकर ने कहा कि हमेशा कहा है कि उन्हें (पाकिस्तान) सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा नहीं देने की प्रतिबद्धता को पूरा करना होगा। हमें उम्मीद है कि एक दिन हम उस स्थिति में पहुंचेंगे।

4-5 मई को भारत में रहेंगे पाकिस्तान के विदेश मंत्री

रक्षा मंत्रियों की बैठक के बाद चार और पांच मई को गोवा में एससीओ सदस्यों के विदेश मंत्रियों की बैठक होगी। बता दें, भारत इस साल जी-20 के साथ एससीओ की भी अध्यक्षता कर रहा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी समेत एससीओ के सभी सदस्य देशों के विदेश मंत्री बैठक में शामिल होने वाले हैं। पाकिस्तान पहले ही एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए बिलावल भुट्टो की भारत यात्रा की पुष्टि कर चुका है।

पाकिस्तान विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहराह बलूच ने इस्लामाबाद में एससीओ बैठक को लेकर कहा कि बैठक में हमारी भागीदारी एससीओ चार्टर और प्रक्रियाओं के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताओं में क्षेत्र को दिए जाने वाले महत्व को दर्शाती है। बताया गया है कि बिलावल के साथ अधिकारियों का एक डेलिगेशन भी भारत दौरे पर आएगा।

2011 के बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्री की पहली भारत यात्रा

बता दें कि अगर पाकिस्तानी विदेश मंत्री व्यक्तिगत रूप से इस बैठक में भाग लेने आते हैं, तो यह 2011 के बाद से इस्लामाबाद की तरफ से किसी विदेश मंत्री की पहली भारत यात्रा होगी। 2011 में पाकिस्तानी विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने भारत का दौरा किया था। खार वर्तमान में विदेश मामलों की राज्यमंत्री के रूप में सेवारत हैं।

हालांकि, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ मई 2014 में तत्कालीन पीएम के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत दौरे पर आए थे। इसके बाद दिसंबर 2015 में भारत की तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने पाकिस्तान का दौरा किया था और कुछ दिनों बाद पीएम मोदी ने पड़ोसी देश का संक्षिप्त दौरा किया था।

क्या है एससीओ?

बता दें कि शंघाई कॉपरेशन ऑर्गेनाइजेशन एक ताकतवर क्षेत्रीय फोरम है, जिसके सदस्यों में रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान और ईरान के साथ ही मध्य एशिया के देश शामिल हैं। एससीओ की स्थापना 2001 में रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों द्वारा शंघाई में एक शिखर सम्मेलन में की गई थी। भारत और पाकिस्तान 2017 में बीजिंग स्थित एससीओ के स्थायी सदस्य बने। एससीओ की अध्यक्षता फिलहाल भारत के पास है और भारत की अध्यक्षता में इस साल एससीओ की बैठकें होनी हैं।

बाजवा ने पाकिस्तान के आर्थिक तंगी का किया खुलासा, तो बौखलाए पड़ोसी देश ने भारत को दी धमकी

इस्लामाबाद, 26 अप्रैल 2023। वरिष्ठ पत्रकार ने हाल ही में पाकिस्तान के कंगाल होने का खुलासा किया था। उन्होंने कहा था कि इस्लामाबाद के पास भारत के खिलाफ लड़ने के लिए गोला-बारूद और आर्थिक ताकत की कमी है। इस बयान को लेकर पाकिस्तान के युद्धाभ्यास करने की चेतावनी सामने आई है। हालांकि सेना ने इस बात से इनकार कर दिया है।

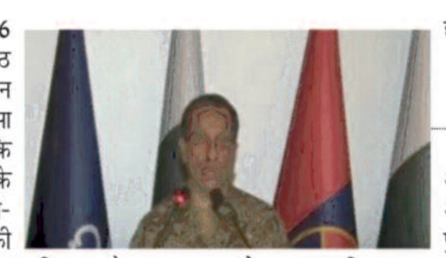

डीजी आईएसपीआर मेजर जनरल अहमद शरीफ ने पाकिस्तानी सेना द्वारा युद्धाभ्यास करने की जानकारी को नकार दिया है। हालांकि उन्होंने कहा कि अगर स्थिति बिगड़ती है तो हम युद्ध करने से पीछे नहीं हटेंगे। लड़ाई को भारत के क्षेत्र तक ले जाने की धमकी दी।

पुलवामा हमले में हुए थे 40 जवान शहीद

बता दें, 14 फरवरी, 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षा वाहनों के काफिले पर हुए आतंकवादी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हो गए थे। पुलवामा आतंकी हमले के प्रतिक्रिया के रूप में, 12 भारतीय वायु सेना के मिराज-2000 लड़ाकू विमानों ने 26 फरवरी को तड़के पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर पर गोला-बारूद से हमला किया था।

हवाई हमले शुरू करने और सुरक्षित रूप से भारतीय धरती पर वापस आने के पूरे ऑपरेशन को %ऑपरेशन बंदर% नाम दिया गया था। यह नाम गोपनीयता बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने के लिए दिया गया था कि हवाई हमले की योजना लीक न हो।

हमले के बाद दी थी धमकी

हालांकि, डीजी आईएसपीआर मेजर जनरल अहमद शरीफ ने कहा कि पुलवामा हमले के बहाने भारत ने एक काल्पनिक लक्ष्य पर कायरतापूर्ण हमला किया है। उन्होंने आगे कहा कि पाक वायुसेना हमेशा तैयार रहती है, न केवल मातृभूमि की रक्षा के लिए, बल्कि दुश्मन से बदला लेने के लिए भी। अगर कभी हम पर हमला किया जाएगा तो इसका बदला लिया जाएगा।

बयान के बाद किया खुलासा

शरीफ के बयानबाजी के बाद पाकिस्तानी पत्रकार हामिद मीर ने खुलासा किया कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने स्वीकार किया था कि देश की छवि को ठीक करने के लिए पाकिस्तान के पास भारत से लड़ने के लिए गोला-बारूद, आर्थिक ताकत की कमी है। हालांकि आईएसपीआर डीजी ने पत्रकार के दावों का खंडन किया है।

यह है मामला

पाकिस्तान के जाने-माने टीवी पत्रकार हामिद मीर ने आर्मी चीफ जनरल (रिटायर्ड) कमर जावेद बाजवा को लेकर बड़ा खुलासा किया था। आर्थिक संकट और गृह युद्ध की स्थिति से जूझ रहे पाकिस्तान में अब हामिद मीर के बयान से खलबली मच गई।

डिजिटल जनगणना पर क्यों हो रहा बवाल, क्या पाकिस्तान में चुनाव के लिए हो रही है 'फेक सेंसस'?

नई दिल्ली, 26 अप्रैल 2023। पाकिस्तान में जनगणना को लेकर बवाल शुरू हो गया है। देश की कई पार्टियों ने शहबाज शरीफ सरकार द्वारा कराई जा रही कवायद का विरोध शुरू कर दिया है। मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट ने अपने सभी जनप्रतिनिधियों का इस्तीफा ले लिया है।

इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ समेत कई दलों द्वारा आने वाले दिनों में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा भी की गई है। देश में पिछले महीने की एक तारीख से डिजिटल जनगणना की शुरुआत हुई थी। आइये जानते हैं कि पाकिस्तान में जनगणना को लेकर क्या हो रहा है? विरोध की वजह क्या है? यह कवायद पाकिस्तान में कैसे होती है?

पाकिस्तान में जनगणना को लेकर क्या हो रहा है?

पाकिस्तान में डिजिटल जनगणना को लेकर विरोध शुरू हो गया है। इसकी खिलाफत करते हुए विपक्षी पार्टी मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट ने अपने सभी 28 विधायकों और सांसदों से इस्तीफे ले लिए। पार्टी के वरिष्ठ उप-संयोजक मुस्तफा कमाल ने बुधवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मिले।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने %विवादास्पद% जनगणना के खिलाफ एक बड़े विरोध की रणनीति तैयार की है। पीटीआई डिजिटल जनगणना के आंकड़ों के खिलाफ एक बड़ा विरोध प्रदर्शन करेगी।

इसकी तैयारी के लिए पार्टी की कराची इकाई के अध्यक्ष आफताब सिद्दीकी ने एक कार्यक्रम की अध्यक्षता भी की। उन्होंने कराचीवासियों से %विवादास्पद जनगणना% के खिलाफ पीटीआई का समर्थन करने की अपील की है।

एक अन्य विपक्षी पार्टी जमात-ए-इस्लामी ने भी आबादी गिनने की कवायद पर कड़ा एतराज जताया है। रविवार को पार्टी के कराची प्रमुख हाफिज नईम उर रहमान ने कथित %जनगणना धोखाधड़ी% के खिलाफ अप्रैल में विरोध मार्च की घोषणा की। नईम ने आरोप लगाया कि प्रांतीय और संघीय सरकारें मिली हुई हैं।

विरोध की वजह क्या है?

पीटीआई नेता आफताब सिद्दीकी ने कहा कि सिंध की आबादी में 50 लाख की वृद्धि हुई लेकिन कराची की आबादी कम आंकी गई। सिद्दीकी के कहा कि ग्रामीण और शहरी सिंध की आबादी की सटीक गिनती की जानी चाहिए।

पीटीआई कराची के अध्यक्ष ने सेंसस में कथित फर्जीवाड़े को चुनाव से जोड़ा है। उन्होंने कहा, %डिजिटल जनगणना परिसीमन और नेशनल असेंबली (एनए) सीटों को प्रभावित करेगी। त्रुटिपूर्ण जनगणना ने पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) की करतूत को उजागर किया है।%

वहीं, जमाती-ए-इस्लामी पदाधिकारी हाफिज नईम उर रहमान ने आरोप लगाया कि मैनुअल जनगणना से बड़ा फर्जीवाड़ा डिजिटल जनगणना में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि %जनगणना धोखाधड़ी% में कराची को निशाना बनाया गया है।

जेआई प्रमुख ने कहा, %जनगणना बिना प्रशिक्षण के कराई जा रही है, जबकि निगरानी के लिए कोई निरीक्षण समिति नहीं बनाई गई है। उन्होंने कहा कि जनगणना की गिनती की यह कवायद स्वीकार्य नहीं है। रहमान ने जनगणना में एक माह का समय बढ़ाने की मांग की। साथ ही उन्होंने कहा कि संघीय सरकार को जनगणना निरीक्षण के लिए हितधारकों की एक समिति बनानी चाहिए।

पाकिस्तान में एक इसी साल एक मार्च को देश की पहली डिजिटल जनगणना शुरू की गई थी। देश में जनसंख्या गणना की जिम्मेदारी पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो की होती है। मार्च से शुरू जनगणना तीन बार विस्तार के बावजूद पूरी नहीं की जा सकी। यही कारण है कि अब इस कवायद को चौथा विस्तार दिया गया है।

एक प्रवक्ता के मुताबिक, ईद की छुट्टियों के कारण 21 अप्रैल से 25 अप्रैल तक डिजिटल जनगणना पांच दिनों के लिए निलंबित थी। इससे पहले, डिजिटल जनगणना कवायद, जो चार अप्रैल तक खत्म हो जानी थी, को तीन एक्सटेंशन दिए जा चुके थे। ये एक्सटेंशन पहले 10 अप्रैल, फिर 15 और उसके बाद 20 अप्रैल तक के लिए दिए गए थे।

देश की आबादी कितनी है?

पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो के प्रवक्ता मुहम्मद सरवर गोंडल ने एक बयान में बताया कि डिजिटल जनगणना में देश की जनसंख्या 23,53,88,890 तक पहुंच गई है। गोंडल ने कहा है कि अब तक कराची में 16.5 मिलियन से अधिक और लाहौर में 11.5 मिलियन लोगों की गिनती की जा चुकी है।

जनगणना में पंजाब में 11,63,49,000, जबकि सिंध में 5,28,57,803 आबादी की गणना की गई है। प्रवक्ता ने कहा कि खैबर पख्तूनख्वा की जनसंख्या जनगणना के आंकड़ों के अनुसार 3,92,43,320 है, जबकि बलूचिस्तान में यह 1,92,55,648 है।

दिग्गज नेता व नपा उपाध्यक्ष के क्रेशर पहुंची राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण द्वारा गठित संयुक्त टीम

संयुक्त टीम में सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड व जिला प्रशासन के अधिकारी रहे शामिल

- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में हुई थी शिकायत,8 महीने बाद पहुंची जांच दल
- क्या राजनीतिक संरक्षण होने की वजह से कमियों को सुधारने के लिए मिला नगर पालिका उपाध्यक्ष को काफी समय?
- दिनभर चला पत्थर खदान व क्रेशर का निरीक्षण..बारीकी से हुई जांच...जांच दल ने क्या कमी पाई इसका नहीं हुआ खुलासा
- शिकायत के बाद से ही नाप उपाध्यक्ष अपनी पत्थर खदान को लेकर थे चिंतित स्थानीय विधायक को लेकर लगा रहे थे कार्यालय का चक्कर
- जांच दल ने जितना समय दिया है क्या उतने समय में नपा उपाध्यक्ष सब कुछ सही कर लिए होंगे या फिर मिलेगी कमी?
- नपा उपाध्यक्ष पत्थर खदान में करा रहे थे अवैध ब्लास्टिंग व बड़ी मात्र में विस्फोटक सामग्री के स्टाक करने की हुई शिकायत
- पर्यावरण संरक्षण मंडल के अधिकारियों ने उत्पादन बंद करने एवं बिजली काटने के दिए निर्देश, फिर भी नेताजी बड़ी दबंगई से चला रहे हैं क्रेसर
- सत्तापार्टी के नेता होने के कारण जिम्मेदार अधिकारी कार्यवाही करने से कतरा रहे

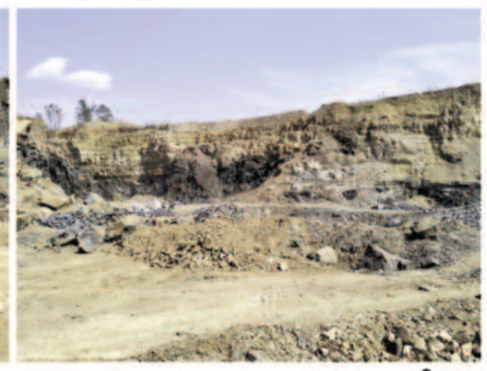

- रवि सिंह -
मनेंद्रगढ़ 26 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़ नगरपालिका के उपाध्यक्ष की रंगदारी सत्ता में उनके पहुंचने के बाद बड़ी चरम पर है, कांग्रेस सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्य होने के नाते शासन प्रशासन को अपनी कठपुतली समझने वाले नेताजी के सामने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, खनिज विभाग, छत्तीसगढ़ विद्युत विभाग, सभी शासकीय महत्वपूर्ण विभागों के अधिकारियों ने इनके सामने घुटने टेक हुए हैं, नेताजी गिट्टी क्रेशर के संचालक हैं, जिनके कई क्रेशर और खदान हस्तिनापुर में स्थित हैं, जहां एक तरफ मनेंद्रगढ़ शहर नए जिले के उद्घाटन के जश्न में व्यस्त है वही नए कलेक्टर कार्यालय से महज 800 मीटर दूर नेताजी अपनी गिट्टी खदान में बड़े धड़ल्ले से प्रतिदिन 100 से 120 अवैध ब्लास्टिंग कर रहे हैं, जिसकी लंबी चौड़ी शिकायत नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को की गई थी जिसके 8 महीने बाद राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण द्वारा न्यायिक प्रक्रिया से शिकायत का निपटारा करने के लिए एक जांच टीम गठित करके नापा उपाध्यक्ष के पत्थर खदान भेजा गया, जिस गठित टीम में सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल, बोर्ड स्टेट पोलूशन कंट्रोल बोर्ड व जिला प्रशासन के अधिकारी रहे शामिल, संयुक्त टीम के दौरा पूरे दिन भर तीनों पत्थर खदानों की नाप जोख कि जिसकी लंबाई चौड़ाई सभी को नापा गया, शिकायत के समय तो भारी कमियां व अवैध उत्खनन की बात सामने आई थी पर 8 महीने बाद क्या सारी कमियों को नपा उपाध्यक्ष सही कर लिए या फिर वाकई में जो जांच टीम आई उसे भी कमिया मेलेगी? सही तरीके से जांच रिपोर्ट बनाकर कार्यवाही करेगी यह एक बड़ा सवाल है, वैसे खबर लिखे जाने तक जांच टीम ने कार्यवाही की कोई भी बात नहीं बताई है देर रात तक कार्यवाही की बात सामने आ सकती है।

मिलीजानाकारी के अनुसार राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के जिम्मेदार अधिकारियों की मौजूदगी में अंततः नगर के कांग्रेसी नेता कृष्ण मुरारी तिवारी और उनकी सभी खदानों की जांच के लिए दर्जनों अधिकारियों की टीम खदान पहुंची है बताया जाता है की खदान में नियम विरुद्ध तरीके से उत्खनन कार्य किया गया है, उत्खनन के लिए निर्धारित गाइडलाइन को नजरअंदाज करते हुए पूर्व के अधिकारियों ने पत्थर उत्खनन की लीज आवंटित की है और लगभग गलत तरीके से संचालित हुई हैं, सुबह से ही बड़ा गहमागहमी का माहौल था अस्थानीय राजस्व के अधिकारी खदान में मौजूद थे, खदान की गहराई चौड़ाई और सीमा के बाहर कितना उत्खनन किया गया है उसका नाम जोख कई घंटे चला, पर्यावरण संरक्षण मंडल की टीम ने वातावरण को भी कंप्यूटराइज मशीन से नापा तो पाया कि पूरा इलाका प्रदूषित हो चला है, यदि ऐसा होता रहा तो लोगों को गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ेगा जिसको लेकर अधिकारी काफी गंभीर दिख रहे थे उन्होंने अभी फिलहाल कृष्ण मुरारी तिवारी और उसके परिवार की सभी खदानों की जांच की है आगे आसपास के और खदानों की भी जांच की जानी है जो काफी वर्षों से बेधड़क नियम विरुद्ध तरीके से संचालित की जा रही हैं खबर लिखे जाने तक अभी तक जांच चल ही रही थी जिसकी संपूर्ण जानकारी अगले दिवस दी जाएगी।

क्या नपा उपाध्यक्ष अपनी पत्थर खदान में करा रहे अवैध ब्लास्टिंग
क्या खदान में पड़ी है बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री का स्टाक?

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल ने तत्काल खदान व क्रेशर का उत्पादन बंद करने एवं बिजली काटने का दिया था आदेश जिसका नहीं हुआ पालन

क्षेत्रीय कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल अंबिकापुर अपने पत्र क्रमांक 1513/छ.प्र.स.म 2021/ 13.12.2021 को कोरिया कलेक्टर, खनिज अधिकारी कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी को पत्र लिखकर तत्काल प्रभाव से इनके खदान और क्रेशर का उत्पादन बंद करने व सील करने एवं बिजली काटने के निर्देश दिए गए थे, अपने पत्र में क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी ने क्रेशर संचालक कृष्ण मुरारी तिवारी को लिखा है कि आप छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के द्वारा जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम 1974 की धारा 33 का एवं वायु प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम 1981 की धारा 130 का के तहत निहित शक्ति के अधीन आप को निर्देशित किया जाता है कि खदान को तत्काल प्रभाव से उत्पादन भंडारण बंद करें, खदान को जारी विद्युत सप्लाई एवं अन्य सुविधाएं संबंधित विभाग द्वारा तत्काल प्रभाव से बंद की जावेगी, उन्होने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि आपके द्वारा निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो बिना अग्रिम सूचना के खदान बंद करवाने की कार्रवाई के साथ जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम 1974 की धारा 41 एवं वायु प्रदूषण निवारण नियंत्रण अधिनियम 1981 की धारा 37 एवं अन्य के तहत की गई कार्रवाई के लिए आप स्वयं उत्तरदाई होंगे। इस पत्र को दिए गए लगभग विभाग को 1 वर्ष होने वाले हैं लेकिन अभी तक सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी का जलवे दार नेता होने के कारण जिला प्रशासन के सभी अधिकारी इन पर कार्रवाई करने से कतरा रहे हैं, यह श्रीमान दिन रात अपने सभी प्रश्नों को संचालित कर रहे हैं और ग्राम पंचायतों में सत्ता का धौंस बताकर बड़े महंगे दर पर गिट्टी का सप्लाई कर रहे हैं। जिले के खनिज अधिकारी ने भी अपने प्रतिवेदन में ब्लास्टिंग का लाइसेंस नहीं होने और ब्लास्टिंग किए जाने की बात लिखी है, खदानों से पत्थर उत्खनन के बाद पत्थर को क्रेसर तक परिवहन के लिए अभिमान पास की आवश्यकता होती है जिसमें खनिज इस्पेक्टर और खनिज अधिकारी अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हैं उसके उपरांत ही अभिवहन पास जारी किया जाता है।

शिकायत के बाद भी जिम्मेदार विभाग ने अवैध ब्लास्टिंग बंद नहीं कराया

विदित हो कि मनेंद्रगढ़ निवासी ठेकेदार गौरव गुप्ता ने इस संदर्भ में पुलिस के आला अधिकारियों को अपना शिकायती पत्र प्रेषित करते हुए लिखा है कि नगरपालिका उपाध्यक्ष के द्वारा अपने गिट्टी खदान से जो महज नेशनल हाईवे से कुछ मीटर दूर है, लगातार पिछले कई वर्षों से अवैध ब्लास्टिंग की जा रही है जिसकी शिकायत उन्होंने लिखित तौर पर जिम्मेदार विभागों को की है लेकिन अभी तक अवैध ब्लास्टिंग बंद नहीं कराई गई है और बड़े धड़ल्ले से विस्फोटक का इस्तेमाल किया जा रहा है,खदान के समीप काफी मात्रा में ग्रामीणों का निवास है, एनजीटी के नियमों के मुताबिक नेशनल हाईवे से खदान लगभग 500 मीटर दूर होना चाहिए लेकिन महज 40 मीटर दूरी पर खदान संचालित है कई बार हैवी ब्लास्टिंग के कारण ग्राम वासियों ने आंदोलन भी किया था, लेकिन दबंग नेता जी के दबंगई के कारण ग्रामवासी इनके खिलाफ आवाज उठाने से डर रहे हैं, यदि उठाते भी हैं तो उन्हें डरा धमकाकर शांत करा दिया जाता है बेचारे मजबूरन मौत के साए में अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं, इनकी मनसा भी सीएम साहब से मिलकर इन के विरुद्ध शिकायत करने की है पिछले बार गए थे लेकिन उन्हें सीएम साहब से नहीं मिलने दिया गया मिली जानकारी के अनुसार नेशनल हाईवे में कई वाहन चालक चोटिल भी हो चुके हैं लेकिन थाने वगैरह में तगड़ी दखल होने के कारण उनके खिलाफ अभी तक कोई अपराधिक मामला पंजीबद्ध नहीं किया जा सका है कृष्ण मुरारी जिले में कई खदान और कई क्रेशर संचालित करते हैं, क्या सत्ता पक्ष में होने के बाद उन्हें नियम विरुद्ध कार्य करने के कांग्रेस पार्टी ने अधिकार दे दिए हैं या फिर बार-बार आवेदन होने के बाद भी उन पर कार्यवाही नहीं किए जाने के निर्देश शासन ने जिला अधिकारियों को दिए हैं गौरव गुप्ता ने हमारे प्रतिनिधि को जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें एक दिन मनेंद्रगढ़ थाने में बयान के लिए बुलाया गया था उन्होंने विधिवत अपने पत्र के मुताबिक आवश्यक दस्तावेज पुलिस प्रशासन को उपलब्ध करा दिए हैं किंतु अभी तक उन पर कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती है।

क्या ब्लास्टिंग कि आवाज प्रशासन के कानों तक नहीं पहुंचती थी?

बड़ा सवाल यहां उत्पन्न होता है कि इतनी बड़ी मात्रा में ब्लास्टिंग में उपयोग होने वाले अमोनियम नाइट्रेट, ईडी कैप्सूल बत्ती सहित अन्य अतिसंवेदनशील सामग्री इन्हे कहां से प्राप्त होती हैं, इनके पास कोई मैगजीन नहीं है यह मनेंद्रगढ़ शहर में रहते हैं, यदि यदि विस्फोटक सामाग्री शहर में रखते हैं तो शहर भी सुरक्षित नहीं है अंबिकापुर संभाग में हमेशा नक्सलियों की गतिविधियां सुनने को मिलती रही है, कोरिया जिले में भी नक्सलियों की सुगबुगाहट हमेशा देखी गई है ऐसी स्थिति में पर्याप्त मात्रा में नेताजी के पास विस्फोटक का होना अथवा लगातार ब्लास्टिंग कि आवाज सुनने के बाद प्रशासन के द्वारा कार्यवाही नहीं किया जाना पुलिस प्रशासन कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।

अभिषेक सिंह एसडीएम मनेंद्रगढ़

इस संबंध में उन्होंने कहा की नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को एक शिकायत किया गया था जिसके अंतर्गत वहां के कोर्ट के बेंच ने एक टीम गठित की है जो क्रेशर के लिए पत्थर खदानें आवंटित की गई उसकी जांच हो सके, इस टीम में सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, स्टेट पोलूशन कंट्रोल बोर्ड व जिला प्रशासन के अधिकारी शामिल है जिसके द्वारा इन खदानों की जांच हो रही जांच के बाद टेक्निकल टीम इसकी जांच रिपोर्ट देगी जिसके बाद ही आपको पता चला।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के द्वारा मनेन्द्रगढ़ एसडीएम कार्यालय का किया गया घेराव

- संवाददाता -
मनेन्द्रगढ़ 26 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में भारतीय जनता युवा मोर्चा के द्वारा एसडीएम कार्यालय का घेराव किया गया, प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर भाजयुमो कार्यकर्ता तहसीलदार कार्यालय जे नजदीक धरना स्थल में एकत्रित हुए और जमकर प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रर्दशन किया, इस दौरान कार्यालय के समक्ष पुलिस से झूमा झटकी भी हुई,भाजयुमो का आरोप है कि भूपेश सरकार बेरोजगारी भत्ता देने के नाम पर युवाओं के साथ छल कर रही है. बेरोजगारी भत्ता देना ही है, तो ?2500 प्रति महीने के अनुसार एक बेरोजगार को साढ़े 4 साल में 1 लाख 30 हजार रूपये दिया जाए वही बेरोजगारी भत्ते के नियम को सरल करने की मांग भी की, गौरतलब है की प्रदेश के भूपेश सरकार ने चुनाव के पहले जनता से 36 वादे किए थे. जिसमें से एक वादा बेरोजगारी भत्ता और 10 लाख नौकरी प्रदान करने का था, वर्तमान में बेरोजगारी भत्ता देने में प्रदेश सरकार युवाओं के साथ भेदभाव कर रही है वही 10 लाख रोजगार देने का वादा भी अधूरा है. विधानसभा में सरकार ने खुद स्वीकार किया है कि सिर्फ 18 हजार रोजगार ही दे पाए हैं, भाजयुमो का कहना है की झूठ बोलकर यह सरकार सत्ता में आई है, जिसे सत्ता से बाहर करेंगे, भाजयुमों यह आरोप भी लगा रही है कि राज्य सरकार द्वारा नियमों के फेर में युवाओं को उलझाया जा रहा है।युवा मोर्चा जिला संयोजक अनमोल झा,विधानसभा प्रभारी युवा मोर्चा विराट प्रताप सिंह, भाजपा जिला महामंत्री राम लखन एवं वीरेंद्र सिंह राणा, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष सुशील सिंह, युवा मोर्चा जिला महामंत्री हिमांशु श्रीवास्तव,धीरज मोर्य,आनंद ताम्रकार,, अलिक सिंह, जलील साह,धर्मपाल सिंह टेकाम, संजय यादव, रवि सिंह, संस्कार सिंह, अनीश सिंह, मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चाआदित्य अग्रवाल एवं लगभग 500 युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने थाना रामानुजनगर में पदस्थ प्रधान आरक्षक को किया निलबित

- पुलिस की छवि धूमिल करने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा-पुलिस अधीक्षक

- संवाददाता -
सूरजपुर, 26 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)। बीते दिन समाचार पत्र में प्रकाशित ''पुलिस चोरी का केस मान समझौता कराने करती रही सौदेबाजी'' संबंधी न्यूज प्रकाशित हुआ था। उपरोक्त विषय पर संज्ञान लेने पर मामला गंभीर प्रकृति का होने, प्रधान आरक्षक के द्वारा कर्तव्य के प्रति घोर अनुशासनहीनता व पुलिस की छवि धूमिल करने पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने इसे गंभीरता से लेते हुए थाना रामानुजनगर में पदस्थ प्रधान आरक्षक हेमंत शर्मा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रक्षित केन्द्र सूरजपुर सम्बद्ध किया है और मामले में प्रारंभिक जांच के आदेश दिए है। रामानुजनगर थाना में पदस्थ नगर सैनिक को नगर सेना कार्यालय भेजने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस की छवि धूमिल करने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

पहुंची विधायक...लोगों ने कहा पहले दौरा क्यों नहीं की? विधायक ने कहा कि पूर्व व वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष का क्षेत्र है यहां तो कोई समस्या होगी ही नहीं

- विधायिका का जनसंपर्क चरम पर,लोगों की शिकायतें सुन समाधान का दे रही आश्वासन
- जनसंपर्क में स्वागत कम,शिकवे और नाराजगी अधिक
- 4 साल की निष्क्रियता पर चुनावी वर्ष कितना होगा कारगर

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 26 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

इस समय स्थानीय विधायक श्रीमती अंबिका सिंहदेव का धुआंधार जनसंपर्क जारी है ग्राम पंचायत छिंदिया में जनसंपर्क के दौरान लोगों ने विधायक से पूछा कि आखिर आप इस क्षेत्र का दौरा क्यों नहीं कर रही थी? जिस पर विधायक थोड़ा देर तो सोची फिर कहा कि यह क्षेत्र पूर्व व वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष का क्षेत्र है यहां तो सब कुछ ठीक ही होगा क्योंकि यह कांग्रेस के दिग्गज नेता है सारी समस्या दूर करा ली होगी, अब यह बात सुनकर ग्रामीण भी अचंभित रहे फिर उसके बाद विधायक ने कहा कि मुझसे गलती हुई है मुझे दौरा करना चाहिए था।

जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, नेताओं का जनसंपर्क अपने चरमोत्कर्ष पर है। चाहे वह सत्ता पक्ष के नेता हो या विपक्ष के। हर कोई अपने को जनता का हितैषी बताने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा। नेता घर घर पहुंच रहे हैं, और चौक चौराहों पर चौपाल लगाकर लोगों की समस्याओं को सुन रहे हैं। इसी क्रम में बैकुंठपुर विधानसभा की विधायिका एवं छत्तीसगढ़ शासन में संसदीय सचिव के पद पर पदस्थ श्रीमती अंबिका सिंहदेव का भी जनसंपर्क जोर शोर से चल रहा है। सुबह होते ही जनसंपर्क अभियान की शुरुआत हो जाती है और लोगों से मिलने का क्रम देर शाम तक चलता रहता है। इसी जनसंपर्क अभियान के दौरान विगत दिनों विधायिका का दौरा ग्राम पंचायत अमहर, छिंदिया, चिरगुड़ा में हुआ। जहां लोगों से रूबरू मिलते हुए उनके भाव जानने का प्रयास किया गया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 4 साल में पहली बार विधायिका को अपने बीच पाकर लोगों की शिकायतों का क्रम थमने का नाम नहीं ले रहा था और सबसे बड़ी शिकायत यह थी कि इसके पहले वे क्षेत्र के दौरे पर आए क्यों नहीं। जब विधायिका ने लोगों से शासन द्वारा संचालित योजनाओं के क्रियान्वयन और आम लोगों तक पहुंच की बात की और व्याप्त दिक्कतों का जिक्र करने को कहा तो शिकायतों की झड़ी लग गई। लोग बढ़-चढ़कर अपनी समस्याओं का वर्णन करने लगे। विधायक महोदय को यह जानकर भारी आश्चर्य हुआ कि क्षेत्र में इतनी सारी समस्याएं विद्यमान है। पेयजल की समस्या, शासकीय नलकूप खनन का कार्य निजी उपयोग हेतु, अधिकारियों द्वारा की जाने वाली मनमानी, सड़क, बिजली एवं अन्य प्रकार की समस्याओं की कतारें लग गई। लोग बेबाक होकर अपनी समस्याओं का जब वर्णन करने लगे, तो लोगों की बातों का जवाब देना मुश्किल पड़ रहा था। परंतु जब विधायिका ने अपने अधीनस्थ सचिवों को लोगों की समस्याओं को कागज पर नोट कर अति शीघ्र निराकरण का आश्वासन देना प्रारंभ किया तो उपस्थित जन समूह में आशा की किरण का संचार हुआ कि शायद चुनावी वर्ष में इन समस्याओं का निराकरण हो पाएगा।

भूतपूर्व और वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष का जिक्र भी आया समस्याओं को लेकर

जनसंपर्क के दौरान जब लोगों की शिकायतों का अंबार लग गया, जिसमें सबसे बड़ी शिकायत यह थी कि विगत 4 वर्षों में निर्वाचित जनप्रतिनिधि ने क्षेत्र का कोई दौरा नहीं किया तो जवाब में विधायिका ने कहा कि उन्हें लगा कि भूतपूर्व और वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष का गृह और चुनावी क्षेत्र है, अतः यहां समस्याएं विद्यमान नहीं होंगी। परंतु इतनी तादाद में समस्याओं का जिक्र छिड़ते ही उन्होंने सारा ठीकरा स्थानीय कांग्रेसी प्रतिनिधित्व करने वाले भूतपूर्व और वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष पर भी फोड़ा। उनका कहना था कि क्षेत्र के कद्दावर नेता जो शासन का प्रतिनिधित्व करते हैं, के क्षेत्र में ऐसी समस्याएं विद्यमान नहीं होनी चाहिए। परंतु कहीं ना कहीं उनकी निष्क्रियता भी विधायिका महोदया को जनता के सामने रूबरू होने में दिक्कत का सबब बना।

रूबरू मुलाकात के बाद लोगों के अनुसार जैसा प्रसारित किया गया उससे अलग व्यक्तित्व है विधायिका का

पूरे बैकुंठपुर विधानसभा में यह बात सर्व व्याप्त है कि वर्तमान निर्वाचित विधायिका से मुलाकात करना बहुत दुष्कर कार्य है। और विधानसभा क्षेत्र में दौरा ना होने के कारण उनका लोगों से जनसंपर्क भी टूटा हुआ था। लोगों की बीच यह भ्रांति थी कि पैलेस में प्रवेश कर अपनी समस्याओं से विधायिका को अवगत कराना बड़ा कठिन कार्य है। कहीं ना कहीं यह बात विधायिका महोदया के छवि को धूमिल करने वाली भी थी, और इसका सबसे बड़ा कारण वे लोग थे जिन पर विधायिका को अत्यधिक विश्वास था, और जो उनके करीबी थे। कहीं ना कहीं उनके द्वारा ही यह बात क्षेत्र में प्रसारित की गई थी, ताकि लोगों का सीधा संपर्क पैलेस तक ना हो पाए और उनकी स्वयं की दुकानदारी और नेतागिरी चलती रहे। सलाहकारों के दिशाभ्रमित करने के कारण जनता और विधायिका की दुरियां लगातार बढ़ती चली गई थी। परंतु क्षेत्र भ्रमण के दौरान जब जनता ने विधायिका को अपने समक्ष पाया, उनसे बातचीत की तो माजरा कुछ अलग ही पाया गया। विधायिका का भी यह कहना था कि यदि आपको कोई समस्याएं थी तो आप मुश्तक पहुंचे क्यों नहीं? जब यह बात सामने आई तो जनता ने मुखर होकर कहा कि हमें यह पता था कि आप से मिलना बड़ा कठिन कार्य है, परंतु आज आपको देखकर ऐसा लग रहा है कि कहीं ना कहीं आपके नाम से जनता के समक्ष आपकी गलत छवि प्रस्तुत किया गया है।

समस्याओं के त्वरित निराकरण का मिला आश्वासन

जनसंपर्क के इस पूरे कार्यक्रम के दौरान जनता के नोकझोंक के बीच विधायिका ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और त्वरित निराकरण के लिए निर्देशित भी किया। जिससे उपस्थित जनसमूह आशान्वित रहा। अब देखने वाली बात यह है कि जनसंपर्क के दौरान लोगों से किए जा रहे वादों में कितनी सच्चाई है। समय रहते यदि समस्याओं का निदान हो जाता है तब तो लोगों को भरोसा बढ़ेगा, अन्यथा वर्तमान विधायिका और जनता के बीच की दूरियां और बढ़ती चली जाएंगी। जिसका खामियाजा आगामी विधानसभा चुनाव में देखने को मिल सकता है।

CMYK

नए भाजयुमो अध्यक्ष के नेतृत्व में फ्लॉप साबित हुआ रोजगार कार्यालय घेराव कार्यक्रम

» बमुश्किल 100-150 कार्यकर्ता ही दिखलाई दिए,भाजपा कार्यालय से निकले कार्यकर्ताओं को मानस भवन के पास रोका गया

» तहसीलदार मनोज पैकरा ने लिया मांगो का ज्ञापन

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 26 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

मंगलवार को प्रदेश भर में भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा बेरोजगारों की मागों को लेकर रोजगार कार्यालय का घेराव कार्यक्रम रखा गया था जिसके तहत कोरिया जिला मुख्यालय में भी घेराव कार्यक्रम रखा गया था लेकिन संख्या बल की कमी के कारण नए भाजयुमो जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में पहला आयोजन फ्लॉप साबित हुआ जिससे कि अब पार्टी नेतृत्व पर भी सवालिया निशान लग गया है, कार्यकर्ताओं के चेहरे पर खुशी तो गायब थी तो वहीं अधिकांश कार्यकर्ता ग्रामीण क्षेत्र के देखे गए शहरी क्षेत्र खासकर बैकुंठपुर शहर से युवा कार्यकर्ताओं की गैर मौजूदगी चर्चा का विषय बना रहा। पूर्व में हुए आंदोलन और इस आयोजन की लोग तुलना करने में लगे हैं।

भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर बेरोजगारी भत्ता एवं रोजगार के नाम पर धोखा देने वाले प्रदेश कांग्रेस सरकार के विरोध में रोजगार कार्यालय घेराव एवं तालाबंदी का कार्यक्रम कोरिया जिला मुख्यालय में भी रखा गया था,भारतीय जनता युवा मोर्चा के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष हितेष प्रताप सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में युवा भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में एकत्र हुए जहां से प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता रैली की शक्ल में रोजगार कार्यालय घेराव करने के लिए रवाना हुए,घड़ी चैक होकर भाजयुमो कार्यकर्ता मानस भवन तक ही पहुंचे थे जहां पर पुलिस की तगड़ी घेराबंदी के बाद कार्यकर्ता आगे नही बढ सके और कार्यालय घेराव का असफल प्रयास किया। कार्यक्रम में शामिल अनेक वक्ताओं ने प्रदेश सरकार पर बेरोजगारों के साथ धोखा करने का आरोप भी लगाया। नेताओं ने कहा कि निःशर्त वोट मांगा था निःशर्त बेरोजगारी भत्ता देना होगा नियमों के फेर में युवाओं को ठगना बंद करो प्रदेश के सभी बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता देना होगा,प्रत्येक बेरोजगारो को 52 माह का बकाया 130000 देना होगा। युवा कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मानस भवन के पास ही तहसीलदार मनोज पैकरा ने मांगो का ज्ञापन लिया।

महज 200 भी नही थे भाजयुमो कार्यकर्ता

प्रदेश सरकार के खिलाफ हुए इस आयोजन के बाद पार्टी संगठन की किरकिरी हो रही है,नए नेतृत्व के लिए यह आयोजन काफी अहम था आगामी चुनाव पार्टी युवाओं के भरोसे ही लड़ने वाली है लेकिन कोरिया जिले में बनी स्थिति से युवा कार्यकर्ता पार्टी से दूरी बनाकर चल रहे हैं यह आज देखने को मिला है। अधिकांश ग्रमीण क्षेत्र के युवाओं की मौजूदगी बतलाती है कि पार्टी जिला मुख्यालय में गलत नीतियों के कारण काफी कमजोर हो चुकी है। नए लोगो से संपर्क एकदम नही रह गया है वही पुराने घिसे पिटे चेहरे ही हर जगह दिखलाई दे रहे हैं। पार्टी परिवार वाद की ओर अग्रसर है,सिर्फ परिवार मे ही पद बांटा जा रहा है इसलिए कार्यकर्ता बुलाने से भी कार्यक्रम में नही पहुंच रहे हैं। यह संगठन के लिए अत्यंत सोचनीय और चिंतनीय विषय है। घेराव कार्यक्रम एकदम असफल था महज 200 की संख्या में भी भाजयुमो कार्यकर्ताओं की मौजूदगी नही थी,जिससे जमकर किरकिरी तो हो ही रही है नए भाजयुमो अध्यक्ष के लिए भी सोचनीय विषय है। घेराव कार्यक्रम में पूर्व मंत्री भैयालाल राजवाड़े, जिलाध्यक्ष भाजपा कृष्णबिहारी जायसवाल, महामंत्री पंकज गुप्ता, विनोद साहू, देवेन्द्र तिवारी, भाजयुमो अध्यक्ष हितेष सिंह, शारदा गुप्ता, राजेश साहू, वंदना राजवाड़े, अनिल साहू,जगदीश साहू, धीरेन्द्र साहू,कमलेश यादव, राजेश सिंह,अरूण जायसवाल, कुबेर साहू, आशीष यादव, कुणाल जायसवाल, मंजू जीवनानी, विष्णू साहू, सतेन्द्र राजवाड़े, तीरथ राजवाड़े आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

तलाब में तैरती दिखी एक व्यक्ति की लाश,गांव में मचा हड़कम्प

- संवाददाता -
कुसमी,26 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

कुसमी थाना अंतर्गत जिगनिया ग्राम के ढेगुरपानी गांव के तलाब में एक व्यक्ति का शव तैरता दिखा गांव में लाश दिखने की खबर आग की तरह फैल गया और गांव के लोगो के बीच हड़कम्प जैसा माहौल निर्मित हो गया,गांव के लोग मिर्तक की पहचान कर पाने में असमर्थ दिखे ,लाश मिलने की खबर पाकर पुलिस घटना स्थल गई और घटना स्थल पहुँचकर पुलिस शव की पहचान कुसमी कुम्हार पारा निवासी राधे बरगाह के रूप में किया है, वही घटना का पंचनामा तैयार कर शव को पीएम के लिये भेज दिया गया है ,गौरतलब है कि प्रथम दृष्टया शव को देखकर तीन दिन से पानी मे डुबा रहने की अनुमान लगाया जा रहा है, वही मिर्तक की मौत की वजह क्या है, फिलहाल कुसमी पुलिस इस पुरे घटने की विवेचना में जुट गई है।

अचानक बीच सड़क पर आए हाथी ने बाइक सवार दो युवकों पर किया हमला

गड्ढे में छिपकर बचाई जान

- संवाददाता -
कोरबा, 26 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा के जंगल में हाथी हमले की घटना सामने आई है, जहां एक हाथी ने बाइक सवार दो युवकों पर किया हमला द्ध दोनों युवकों ने किसी तरह गड्ढे में छिपकर बचाई अपनी जान तो वहीं दूसरी ओर हाथी ने मौके पर पड़ी उनकी मोटर बाइक को पहुंचाया छती । मामला कोरबा वन मंडल का है। बताया जा रहा जा रहा है कि बीती रात दो युवक बाइक में सवार होकर किसी काम से जा रहे थे कि इसी दौरान मदनपुर के समीप उनका सामना एक हाथी से हो गया। बीच सड़क हाथी को अचानक सामने देख दोनों युवक घबरा गए। हाथी ने उनपर हमला किया तो वे बाइक को मौके पर छोड़कर जंगल की ओर भागे । हाथी ने दोनों युवकों को दौड़ाया, लेकिन दोनों युवकों ने एक गड्ढे में छुप कर किसी तरह बचाई अपनी जान । इस दौरान हाथी ने वापस जाकर बीच सड़क पर पड़े उनकी बाइक पर अपना आवेश दिखाया और बाइक को ही तोड़ डाला। सुबह के उजाले में दोनों युवकों ने इस घटना की सूचना वन विभाग को दी। जिसके बाद टीम मौके पर पहुंच एक युवक को उपचार के लिए जिला अस्पताल में दाखिल किया । प्राथमिक उपचार के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है द्ध ज्ञात रहे कि जिले में हाथियों के उत्पात थमने का नाम नहीं ले रहा और कोरबा एवं कटघोरा वन मंडल में लगातार इस तरह की घटनाएं सामने आ रही है जिससे लोगों में बढ़ता ही जा रहा आक्रोश।

एसईसीएल श्रद्धा महिला मंडल द्वारा कटकोना में गर्मी को देखते हुए पियाऊ का किया उद्घाटन

» श्रद्धा महिला मंडल द्वारा आने जाने वाले राहगीरों को गुड़ चना देकर पिलाया गया शीतल जल

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 26 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र के अंतर्गत कटकोना क्षेत्र में श्रद्धा महिला मंडल द्वारा कटकोना के काटा घर के पास पियाउ की व्यवस्था की है जिसका उद्घाटन आज किया गया, उद्घाटन के दौरान श्रध्दा महिला मंडल की सदस्यों द्वारा आने जाने वाले राहगीरों को गुड़ चना देकर पानी पिलाया।

श्रध्दा महिला मंडल के द्वारा बताया गया कि अब धीरे-धीरे गर्मी बढ़ रही है जिसे देखते हुए पियाउ की व्यवस्था की गई है जिसमें 24 घंटे पानी रहेगा और आने जाने वाले लोग अपनी प्यास बुझा सकते हैं, जिसे देखते हुए हम आज प्याऊ का उद्घाटन किए हैं और यह पूरे गर्मी भर रहेगा जिसका लाभ आने जाने वाले राहगीरों को मिलेगा, श्रद्धा महिला मंडल की सदस्यों द्वारा आने जाने वाले चाहे वह ट्रक ड्राइवर हो या फिर अन्य वाहन चालक सभी को रुकवा कर गुड़ चना और पानी पिलाया, आने जाने वाले लोगों ने श्रद्धा महिला मंडल को धन्यवाद दिया और कहा कि काफी सराहनीय कार्य है, इस दौरान जो महिला मंडल की सदस्य रेखा पांडे, रीना विश्वकर्मा, मंजू कुमार सहित कई लोग उपस्थित रहे।

रसोईया कल्याण संघ के सदस्यों ने 4 सूत्रीय मांगों को लेकर निकाली रैली

- संवाददाता -
सूरजपुर, 26 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ मध्यान्ह भोजन रसोईया कल्याण संघ के सदस्यों ने बुधवार को 4 सूत्रीय मांगों को लेकर रैली निकाली। उसके बाद जिला संयुक्त कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए जिला प्रशासन को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

संघ की प्रदेश अध्यक्ष यशोदा साहू ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सरकार अपने वायदे को लेकर मुकर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में रसोईया संघ के सदस्य शोषण के शिकार हो रहे हैं। महंगाई के इस दौर में रसोईया संघ के सदस्य डेढ़ हजार रुपए प्रतिमाह के मानदेय पर काम करने को मजबूर हैं। उनके समक्ष परिवार के जीविकोपार्जन के समस्या उत्पन्न हो रही है और सरकार उनकी समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने कहा कि रसोईया संघ के सदस्यों को प्रतिमाह कम से कम दस हजार रुपये की मानदेय राशि का भुगतान करने समेत समस्त सदस्यों को कुक वर्दी मुहैया कराने के साथ ही समस्त रसोइयों को जिला प्रशासन द्वारा प्रतिदिन मध्यान भोजन के हिसाब से राशन प्रदान करने एवं स्कूलों में कार्यरत रसोइयों का पद स्कूल शिक्षा विभाग में करते हुए उन्हें नियमित करने की मांग को लेकर हमने आंदोलन का आगाज किया है। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि हमारी मांगे पूरी नहीं होने पर उग्र आंदोलन करना हमारी मजबूरी होगी।

जे.बी.एस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विद्युत ऑपरेटरों के मासिक वेतन में की जा रही लेटलतीफी

- संवाददाता -
कोरबा,26 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ विद्युत विभाग ठेका कर्मचारी कल्याण संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि जिले में 33/11 के.वी. सब स्टेशन का संचालन जेबीएस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी मुंबई को सीएसपीडीसीएल द्वारा दिया गया है द्ध इसके अंतर्गत जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में आने वाले सभी सबस्टेशनों का संचालन किया जा रहा है परंतु उसको संचालित करने वाले ऑपरेटरों का वेतन का भुगतान सही समय पर नहीं किया जा रहा द्ध उन्होंने इस दौरान अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में मासिक वेतन का भुगतान तीन महीने के अंतराल में एक महीने का वेतन दिया जा रहा वहीं शहरी क्षेत्र में 02 महीने के अंतराल में 01 महीने का वेतन दिया जा रहा है साथ ही बोनस की राशि का भुगतान 8.33 प्रतिशत जो की 06 महीने में देना है जबकि वह 06 महीना जनवरी में पूरा हो चुका है पर ग्रामीण क्षेत्रों के ऑपरेटर को अभी तक बोनस का भुगतान नहीं किया गया है द्ध उन्होंने बताया कि जेबीएस कंपनी ने ऑपरेटर को ईएसआईसी कार्ड उपलब्ध कराने की बात कही थी पर अब तक उपलब्ध नहीं कराई गई है साथ ही परिवारों के सदस्यों की जानकारी दिया जा चुका है परंतु अभी तक ईएसआईसी कार्ड में उन्हें नहीं जोड़ा गया द्ध उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा के सब स्टेशन में कार्यरत ऑपरेटर जिनका कार्य जोखिम भरा होता है को अब तक सेफ्टी सामान जैसे टॉर्च ,गम बूट ,दस्ताना ,हेलमेट नहीं दिया गया जबकि सबस्टेशन के कार्य में इन सभी संसाधनों का होना अत्यंत अनिवार्य है द्ध उन्होंने सीएसपीडीसीएल के अधीक्षण अभियंता को अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए आग्रह किया है कि उनके बताए गए समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान करे क्योंकि सीएसपीडीसीएल द्वारा जेबीएस कंपनी को सबस्टेशन का संचालन करने के लिए रखा गया है एवं अधीक्षण अभियंता से आग्रह भी किए है कि उन्हें टेंडर की कॉपी प्रदान किया जाए साथ ही चेतावनी देते हुए कहा गया की यदि उनकी समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द नही किया जाता है तो पूरे जिले के सभी विद्युत सबस्टेशन ऑपरेटर सात दिवस के बाद हड़ताल पर जाने के लिए बाध्य होंगे।

निधन

राधा कृष्ण दुबे

अंबिकापुर,26 अप्रैल 2023

सत्तीपारा निवासी वरिष्ठ अधिवक्ता

श्री राधा कृष्ण दुबे का निधन 90 वर्ष की आयु में बुधवार 26 अप्रैल को अपराह्न 3.00बजे हो गया है। वर्ष 1992-94 के दौरान उन्होंने शासकीय अधिवक्ता के रूप में जिला न्यायालय में भी अपना योगदान दिया था।वे भाजपा नेता व लाइफलाइन हॉस्पिटल के संचालक विवेक दुबे और प्रकाश दुबे के पिता थे।वे अपने पीछे 2 पुत्र 5 पुत्रियों व नाती पोतों से भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। अंतिम संस्कार आज दिनाँक 27/04/2023 को सुबह 7.30 बजे शंकरघाट स्थित मुक्तिधामअम्बिकापुर में सम्पन्न किया जायेगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

अपग्रेडेशन कार्य हेतु निविदा सूचना

निविदा सं.: जीएसयू-एसईसीआर-बीएसपी-विद्युत-एबी-04, दिनांक: 18.04.2023.

कार्य का नाम: दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के बिलासपुर मंडल के पेंड्रा रोड, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, बिजुरी, बैकुंठपुर और अंबिकापुर में अमृत भारत स्टेशनों के 07 नंबरों का इलेक्ट्रिकल जनरल सॉफ्ट अपग्रेडेशन कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 3,20,38,975/- (₹ तीन करोड़ बीस लाख अड़तीस हजार नौ सौ पचहत्तर मात्र)। **बिड सिक्युरिटी :** ₹ 3,10,200/-. **निविदा बंद होने की तिथि व समय: 18.05.2023 को 15:30 बजे। निविदा खुलने की तिथि व समय:18.05.2023 को 15:45 बजे। कार्य पूर्ण होने की अवधि:** 06 (छह) माह स्वीकृति पत्र प्राप्त होने की तिथि से।

वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान: उपरोक्त कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ई–निविदा दस्तावेज, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई–निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइड **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर/ देख सकते है।

उप मुख्य वि. अभियंता(ग.श.ई.)/
सीपीआर/10/31 द.पू.म.रे., बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

RO.No-BSP/3909

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

रा.प्र.क्र./अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-केशवनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री उमेश गुप्ता आ0 जगदीश गुप्ता जाति हलवाई निवासी ग्राम शिवनंदनपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके आधिपत्य एवं स्वत्व की भूमि ग्राम केशवनगर प0ह0नं0 24 रा0नि0मं0 केशवनगर तहसील सूरजपुर सिथत स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्रमांक 133/4 रकबा 0.02 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिये भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से इस नयायालय में दिनांक 08/05/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 21/04/2023 को न्यायलयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायाल अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

रा.प्र.क्र./अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-केशवनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री जितेन्द्र प्रसाद गुप्ता आ0 सीताराम साव जाति हलवाई निवासी ग्राम शिवनंदनपुर तहसील लटोरी जिला सूरजपुर छ0ग0, द्वारा उनके अधिपत्य एवं स्वत्व की भूमि ग्राम केशवनगर प0ह0नं0 24 रा0नि0मं0 केशवनगर तहसील सूरजपुर स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्रमांक 133/4 रकबा 0.02 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिये भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय मे आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से इस नयायालय में दिनांक 08/05/2023 को न्यायलयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 21/04/2023 को न्यायलयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील
विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन, सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रामानुजनगर, जिला सूरजपुर

रा.प्र.क्र./अ-2/2022-23

ग्राम-कृष्णपुर तहसील-रामानुजनगर

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत कृष्णपुर को सूचित किया जाता है।आवेदिका आशा साहू पति बिरेन्द्र कुमार साहू जाति तेली,निवासी ग्राम कृष्णापुर, तह0-रामानुजनगर,जिला-सूरजपुर (छ.ग.) के द्वारा मुख्यतार खास-श्री सचिन यादव के माध्यम से अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की, भूमि ग्राम-कृष्णपुर प.ह.नं.05 रा.नि.मं.-देवनगर तहसील-रामानुजनगर,जिला-सूरजपुर (छ0ग0) स्थित भूमि खसरा क्रमांक 178/4 रकबा 0.1200 है0 मे से 0.02है0 भूमि को कृषि भिन्न प्रयोजन से आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदिका द्वारा आवेदन-पत्र के साथ बी-। खसरा,नक्शा,शपथ-पत्र,रजिस्ट्री की छायाप्रति एवं सरगुजा स्टैट सेटलमेंट की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतएव उक्त संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 15/05/2023 को न्यायलयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 12/04/2023 को व्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी।

सील
अनुविभागीय अधिकारी(रा)
रामानुजगर जिला सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र./ब-121/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता हे कि आवेदक अलोक सरकार पत्नी शांति सरकार निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सुभाषनगर स्थित खसरा नंबर 185/2 रकबा 1.350 हे0 भूमि में से रकबा 0.300 हे0 भूमि को अनावेदक सुधीर सिंह आ0 मदन सिंह निवासी रिंग रोड नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपये 49,60,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 12/05/2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपतित पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 25/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील
तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202303020700120

विषयः- ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2022-2023

माझापारा प.ह.न. 00026 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक बुधियारो बाई,
अनावेदक पक्षकार- महेन्द्र प्रसाद

ईश्तहार

आवेदक बुधियारों बाई पति करलू राम, निवासी ग्राम चिताबहार, तहसील, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम माझापारा स्थित खसरा नंबर 740/1 रकबा 0.080 हे0 भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 01/04/2008 को क्रय किया है। जिसका विधिवत नामांतरण होने के बाद वर्ष 2012-13 के राजस्व अभिलेखों में आवेदिका का नाम दर्ज हो गया किन्तुत उसके बाद से राजस्व अभिलेखों में आवेदिका का नाम न दर्ज होकर अनावेदक के नाम पर दर्ज हो गया है जिसे सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 22/05/2023 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपसिथत होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/03/2023 को जारी किया जाता है।

सील
तहसीलदार
सरगुजा (अम्बिकापुर)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202304020700151

विषयः- अ-24 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2022-2023

मायापुर प.ह.न. 00014 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-कार्यालय नगर पालिक निगम अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0
अनावेदक पक्षकार- छ0ग0 शासन

ईश्तहार

कार्यालय नगर पालिक निगम, अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पत्र क्रमांक 41/न0प0नि0/लो0नि0वि0/2022-23 अम्बिकापुर दिनांक 10/04/2023 के माध्यम से नगर पालिक निगम अम्बिकापुर क्षेत्रान्तर्गत वार्ड क्रमांक 21 में श्री रमेश जायसवाल के फार्म हाउस के बगल में पुलिया का निर्माण कार्य कराया जाना प्रस्तावित है। उक्त स्थल पर श्रीमती पुनमबाला जायसवाल के नाम पर दर्ज भूमि ग्राम मायापुर स्थित प्लाट नंबर 9/1, 10/1 का अंशभाग पुलिया निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल में आने के कारण भू स्वामी द्वारा स्वेच्छा से निकाय/शासन के हित में त्यजन किये जाने बावत पत्र प्राप्त हुआ है।

उक्त भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/05/2023 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपसिथत होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25/04/2023 को जारी किया जाता है।

सील
तहसीलदार
सरगुजा (अम्बिकापुर)

सीएसके से पार पाने के उद्देश्य से मैदान में उतरेगा आरआरआर

जयपुर ,26अप्रैल 2023। पिछले दो मैचों में हार से पस्त राजस्थान रॉयल्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में गुरुवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ वापसी करने की उम्मीद से मैदान पर उतरेगा लेकिन लगातार तीन जीत से उत्साह से ओतप्रोत महेंद्र सिंह धोनी की टीम से पार पाना उसके लिए आसान नहीं होगा। रुतुराज गायकवाड़, डेवोन कॉनवे, अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे की शानदार बल्लेबाजी से चेन्नई ने पिछले तीन मैचों में आसान जीत दर्ज की। ऐसे में इस मैच में चेन्नई के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों और राजस्थान के विश्वस्तरीय स्पिनरों के बीच रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है।

कॉनवे ने इस सत्र में अभी तक शानदार बल्लेबाजी करके सात मैचों में 314 रन बनाए हैं जबकि अजिंक्य रहाणे के आक्रामक तेवर सभी टीमों पर भारी पड़ रहे हैं। उन्होंने रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ केवल 29 गेंदों पर नाबाद 71 रन की तेजतर्रार पारी खेली थी। रहाणे अभी तक पांच मैचों में 209 रन बना चुके हैं और उनका स्ट्राइक रेट 199.04 है। रॉयल्स के लिए यह राहत की बात है कि उसने इस सत्र में चेन्नई के खिलाफ पिछला मैच जीता था। उस मैच में भी धोनी ने एक समय चेन्नई को जीत के करीब पहुंचा दिया था लेकिन आखिर में उनकी टीम को घरेलू दर्शकों के सामने तीन रन से हार का सामना करना पड़ा था।

लेकिन तब से लेकर चीजें काफी बदल चुकी हैं तथा चेन्नई पांच जीत से 10 अंक लेकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच चुका है। सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुरुवार को होने वाले मैच में जीत से उसने प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाओं को मजबूती मिलेगी। इसके लिए वहां राजस्थान को उसके घरेलू मैदान पर हराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। लगातार दो मैचों में हार से राजस्थान

अपनी टीम का अभियान वापस पटरी पर लाने के लिए बेताब होगा और चेन्नई की मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगा।

यदि राजस्थान को चेन्नई को हराना है तो उसके चोटी के बल्लेबाजों जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिच से स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है और ऐसे में राजस्थान के स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। राजस्थान रॉयल्स भले ही अपने घरेलू मैदान पर खेल रहा होगा लेकिन इस बात की पूरी संभावना है कि दर्शकों से धोनी को अपार समर्थन मिलेगा जैसे कि कुछ दिन पहले कोलकाता में हुआ था। माना जा रहा है कि धोनी अंतिम बार आईपीएल में खेल रहे हैं।

टीम इस प्रकार हैं ़- चेन्नई सुपर किंग्स़- महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायडू, मोइन अली, बेन स्टोक्स, रवींद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, सिसंडा मगाला, शिवम दुबे, ड्वेन प्रिटोरियस, अहय मंडल, निशांत सिंधु, राजवर्धन हैंगरगेकर, मिचेल सेंटनर, सुभांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, मथीसा पथिराना, महेश तीक्ष्णा , भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, शेख रशीद, तुषार देशपांडे। राजस्थान रॉयल्स़- संजू सैमसन (कप्तान), अब्दुल बसिथ, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमेयर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेड मैककॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम ज़म्पा। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

आईसीसी टी 20 रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव का कब्जा बरकरार

» मगर खतरे में पड़ती दिख रही पोजिशन

नईदिल्ली,26अप्रैल 2023। एक तरफ देशभर में इंडियन प्रीमियर लीग का जोश देखने को मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर आईसीसी ने भी टी20 क्रिकेट समेत सभी फॉर्मेट की नई रैंकिंग भी जारी कर दी है। इस रैंकिंग के बाद काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। नई रैंकिंग जारी होने के बाद भारतीय फैंस को राहत मिली है।

एक तरफ नई रैंकिंग जारी होने के बाद न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन और पाकिस्तान के इफ्तिखार अहमद पांच मैचों की श्रृंखला खत्म होने के बाद आईसीसी टी20 पुरूषों की रैंकिंग में कैरियर की सर्वोच्च पायदान पर पहुंच गए है। वहीं लंबे समय से टी20 क्रिकेट में शीर्ष पायदान पर कब्जा जमाकर बैठे मिस्टर 360 डिग्री के नाम से फेमस सूर्यकुमार यादव टी20 रैंकिंग में अब भी शीर्ष स्थान पर बने हुए है।

हालांकि लंबे समय से सूर्य कुमार यादव कोई खास कमाल मैच में नहीं कर सके है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव की ये कुर्सी काफी खतरे में पड़ गई है। सूर्यकुमार यादव रैंकिंग में शीर्ष पर हैं और शीर्ष दस में अकेले भारतीय हैं। मगर अब पहले और दूसरे नंबर के बल्लेबाज के बीच फासला काफी कम हो गया है। सूर्य कुमार यादव को आने वाले दिनों में कोई नया टी20 मुकाबला नहीं खेलना है। ऐसे में उनकी कुर्सी खतरे में पड़ती दिख रही है।

श्रृंखला में सर्वाधिक 290 रन बनाने वाले चैपमैन ने 48 पायदान की छलांग लगाकर 35वें स्थान पर

कब्जा किया। इससे पहले वह फरवरी 2018 में 54वें स्थान पर पहुंचे थे। वहीं आखिरी मैच में 36 रन बनाने वाले इफ्तिखार छह पायदान चढ़कर 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं। मोहम्मद रिजवान दूसरे और बाबर आजम तीसरे स्थान पर हैं। इफ्तिखार इससे पहले पिछले साल नवंबर में 43वें स्थान पर पहुंचे थे। न्यूजीलैंड के चाड बोवेस 82 पायदान चढ़कर 118वें स्थान पर हैं जबकि ईश सोढी गेंदबाजी में 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के हरफनमौला इमाद वसीम बल्लेबाजों की रैंकिंग में 15 पायदान चढ़कर 127वें स्थान पर हैं जबकि गेंदबाजों की रैंकिंग में 120 पायदान ऊपर 93वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हरफनमौलाओं की रैंकिंग में वह 44 पायदान चढ़कर 24वें स्थान पर हैं।

सूर्यकुमार यादव शीर्ष पर

आंकड़ों के अनुसार सूर्य कुमार यादव 906 रेटिंग के साथ शीर्ष स्थान पर बने हुए है। वहीं दूसरे नंबर पर मोहम्मद रिजवान आ गए हैं जिनके पास 811 रेटिंग है। ऐसे में दोनों खिलाड़ियों के बीच अब 100 अंकों का फासला भी नहीं बचा है। वहीं तीसरे स्थान पर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का कब्जा है जिनके 756 अंक है।

टी20 रैंकिंग में राशिद का जादू

गेंदबाजों की रैंकिंग में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने 710 की रेटिंग के साथ शीर्ष पर कब्जा जमाया हुआ है। उनके बाद फजल हक फारुखी 692 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं तीसरे स्थान पर जोश हेजलवुड है। खास बात है कि टी20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में किसी भारतीय खिलाड़ी को जगह नहीं मिली है। हालांकि ऑलराउंडर की लिस्ट में शीर्ष पर शाकिब अल हसन का कब्जा है वहीं दूसरे स्थान पर हार्दिक पांड्या का नंबर है। इस शीर्ष ऑलराउंडर की लिस्ट में भी हार्दिक पांड्या के अलावा किसी खिलाड़ी को जगह नहीं मिली है।

टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका

» ऋषभ पंत का एशिया कप और विश्व कप से बाहर होना तय

नईदिल्ली,26अप्रैल2023। क्रिकेटर ऋषभ पंत को हर कोई जल्द ही मैदान पर वापसी करते देखाना चाहता है। हालांकि, ऋषभ पंत की मैदान पर वापसी अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। आपको बता दें कि नए साल की पूर्व संध्या पर एक गंभीर कार दुर्घटना में वह घायल हो गए थे। इलाज के बाद वह रिकवर हो रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद, विकेटकीपर-बल्लेबाज को बैसाखियों के सहारे चलते देखा गया है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के चल रहे संस्करण में दिल्ली कैपिट्ल को समर्थन देने के लिए अरुण जेटली स्टेडियम का भी दौरा किया।

हालांकि, अब जो खबर आ रही है वह भारत के लिहाज से अच्छी नहीं है। अभी भी ऋषभ पंत कई महीनों तक क्रिकेट से दूर रह सकते हैं। जानकारी के मुताबिक पंत के सितंबर में होने वाले एशिया कप और इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले विश्व कप में खेलने की उम्मीद बेहद ही कम है। विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत के ठीक होने में अधिक समय लगेगा। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक उनकी वापसी जनवरी 2024 के आस-पास हो सकती है। एशिया कप और विश्व कप में ऋषभ पंत की जगह बतौर विकेटकीपर ईशान किशन और संजू सैमसन को भारतीय टीम में जगह मिल सकती है।

रिपोर्ट में आगे उल्लेख किया गया है कि पंत के करीबी लोगों ने कहा है कि क्रिकेटर को बिना किसी मदद के चलने में कम से कम कुछ हफ़्ते लगेंगे। अब तक एक इष्टतम रिकवरी प्रक्रिया के बावजूद ऋषभ पंत के काफी समय तक एक्शन से बाहर रहने की उम्मीद है। पंत रिकवरी के मामले में अच्छी प्रगति कर रहे हैं, लेकिन उनकी चोटों की गंभीर प्रकृति का मतलब है कि उन्हें पूरी तरह से फिट होने में कम से कम आठ से नौ महीने लगेंगे।

नीरज चोपड़ा जल्द आएंगे मैदान पर नजर

» डायमंड लीग के बाद एथलेटिक्स मीट का बनेंगे हिस्सा

नईदिल्ली,26अप्रैल2023। टोक्यो ओलंपिक खेल में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा अब फिर से मैदान पर उतरने को तैयार है। वो जून में चेक गणराज्य में होने वाली गोल्डन स्पाइक ओस्टावा एथलेटिक्स मीट में हिस्सा लेंगे। इस एथलेटिक्स मीट का आयोजन 27 जून को चेक गणराज्य में किया जाएगा।

नीरज चोपड़ा के अलावा ओस्ट्रावा मीट में इथियोपिया के लेमेचा मिरमा, 3000 मीटर स्पीपलचेज में टोक्यो 2020 में ओलंपिक रजत पदक विजेता, 100 मीटर हर्डल रेस में विश्व रिकॉर्ड धारक नाइजीरिया के टोबी अमूसन और विश्व रिकॉर्ड धारक पोल वॉल्टर आमर्ड डुप्लांटिस जैसे खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इन दिग्गज खिलाड़ियों के होने के कारण ये एथलेटिक्स मीट काफी अहम मानी जा रही है। बता दें कि नीरज चोपड़ा

ने इस बार किसी भी ट्रैक-फिल्ड प्रोग्राम में हिस्सा नहीं लिया है। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंड खेलों के स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा जल्द ही मैदान उतरेंगे। इस सीजन की शुरुआत वो 5 मई को दोहा डायमंड लीग से करने वाले है। खास बात है कि डायमंड लीग के वर्तमान चैंपियन भी नीरज चोपड़ा ही है। इससे पहले जब वर्ष 2022 के सितंबर महीने में लीग का आयोजन ज्यूरिख में हुआ था तब उन्होंने इस लीग में जीत हासिल की थी। ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट है। इस लीग में जीत के बाद से ही नीरज चोपड़ा किसी अन्य इवेंट में हिस्सा लेने नहीं उतरे है।

ट्रेनिंग है जारी

जानकारी के मुताबिक 2023 के सीजन की शुरुआत करने से पहले नीरज चोपड़ा ने यूनाइटेड किंगडम के लोफबोरो यूनिवर्सिटी में ट्रेनिंग की शुरुआत कर दी है। नीरज के कोच क्लाउस बार्टोनिट्ज़ के साथ चर्चा की ताकि वो सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों और अगस्त में होने वाली विश्व चैंपियनशिप पर फोकस कर सकें।

शरत,मनिका डरबन में होने वाले विश्व टेटे स्पर्धा में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे

नई दिल्ली,26अप्रैल2023। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता शरत कमल और शीर्ष रैंकिंग की भारतीय महिला खिलाड़ी मनिका बत्रा 20 से 28 मई तक डरबन में 2023 विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में 11 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। टीम में पांच पुरुष और छह महिला खिलाड़ी शामिल हैं। विश्व चैम्पियनशिप के 59वें आयोजन में केवल टीम चैंपियनशिप के मुकाबले खेले जायेंगे। इस चैंपियनशिप की मेजबानी 1939 में मिस्र के बाद पहली बार कोई अफ्रीकी देश करेगा।। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ ((टीटीएफआई) की चयन समिति ने नवीनतम चयन नीति के आधार पर अहम टूर्नामेंटों में खिलाड़ियों के प्रदर्शन, अनुभव और व्यक्तिगत उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए टीम का चयन किया है।

पुरुषों की टीम में शीर्ष भारतीय जी.

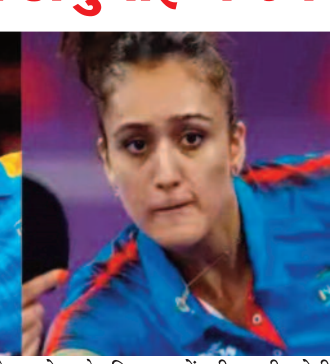

साथियान (विश्व रैंकिंग 50) और अनुभवी शरत (विश्व रैंकिंग 55) के अलावा मानुष शाह, हरमीत देसाई और मानव ठक्कर शामिल हैं। महिला टीम में मनिका बत्रा (विश्व रैंकिंग 40), श्रीजा अकुला, सुतीर्था मुखर्जी, रीथ रिश्या, अर्चना कामथ और दीया चितले को मौका मिला है। साथियान, शरत, मानुष और हरमीत पुरुष एकल और युगल में प्रतिस्पर्धा करेंगे। साथियान शरत के साथ जोड़ी बनाएंगे जबकि मानुष और हरमीत देश के लिए पुरुषों की दूसरी जोड़ी बनाएंगे। मनिका, श्रीजा , सुतीर्था और रीथ एकल में प्रतिस्पर्धा करेंगी। मनिका हालांकि युगल में अर्चना के साथ जोड़ी बनाएंगी, जबकि श्रीजा की जोड़ी दीया के साथ बनेगी। साथियान और मनिका मिश्रित युगल में भारत की पहली जोड़ी होगी और जबकि मानव और अर्चना दूसरी जोड़ी बनायेंगे। सुभाजीत साहा और ममता प्रभु क्रमशः पुरुष और महिला कोच के रूप में टीमों के साथ रहेंगे।

कैद हुआ रिया चक्रवर्ती का बोल्ड अवतार

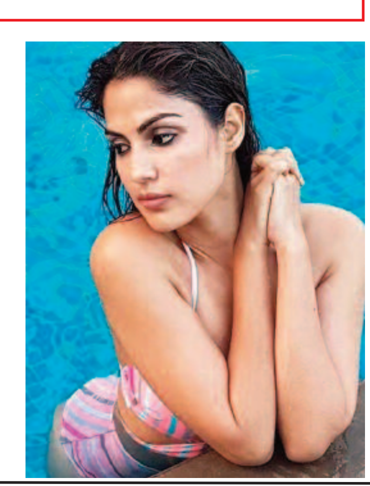

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती हमेशा अपनी बोल्ड और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस के कारण सोशल मीडिया का पारा गर्म करती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी बेहद शानदार तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं, जिसमें उनकी फिटनेस देखकर फैंस आहें भरने लगे हैं। बी-टाउन की जानी-मानी एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती इन दिनों भले ही किसी फिल्म में नहीं दिखाई दे रही हों लेकिन वो आए दिन अपने बोल्ड फोटोशूट से इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। वो हमेशा सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। हालांकि फैंस को भी उनकी तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार रहता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वो बेहद ही शानदार आउटफिट में नजर आ रही हैं। रिया चक्रवर्ती ने अपने इस फोटोशूट के दौरान कटी-फटी पेंट और क्रॉप टॉप पहना हुआ है। एक्ट्रेस का इस लुक में कातिलाना अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। उनकी हॉटनेस भी इंटरनेट पर कहर बरपा रही हैं। अभिनेत्री रिया ने इन तस्वीरों में अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए सिजलिंग पोज में तस्वीरें क्लिक करवाई हैं। बता दें कि एक्ट्रेस अपनी फिटनेस को मेंटेन रखने के लिए रोजाना वर्कआउट करती हैं और साथ ही बाहर का जंक फूड बिल्कुल नहीं खाती हैं। रिया चक्रवर्ती जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट के जरिए अपना प्यार लूटाते हैं।

जल्द ही फिर लौटने वाला है रॉकी भाई,केजीएफ 3 में आएँगे नजर

कन्नड़ सुपरस्टार यश की ब्लॉकबस्टर मूवी केजीएफ 2 के तीसरे पार्ट को लेकर बहुत लंबे वक्त से चर्चाएं भी बढ़ती जा रही है। मगर अभी तक इसे लेकर आधिकारिक सूचना सामने नहीं आई थी। आज केजीएफ 2 की रिलीज को पूरा 1 वर्ष बीत गया है। इस ब्लॉकबस्टर मूवी की रिलीज के 1 साल पूरे होने की खुशी में मूवी की निर्माता कंपनी होमेबल फिल्म्स ने एक बड़ा इशारा भी कर रहा है। जिसे देखकर फैंस खुशी से 7वें आसमान पर पहुंच रहा है। मेकर्स ने केजीएफ 2 की रिलीज की फर्स्ट एनिवर्सिरी पर एक धमाकेदार वीडियो जारी कर यश की मूवी के तीसरे पार्ट का इशारा दिया है। केजीएफ 3 का मेकर्स ने कर दिया बड़ा ऐलान !!: इस वीडियो में केजीएफ 2 की विश्व को निर्मातओं ने इस स्पेशल वीडियो से रीविजट करवाया। साथ ही सवाल भी पूछा कि वर्ष 1978 से 1981 के मध्य आखिर यश कहां था? इस प्रश्न को लेकर जो उत्सुकता निर्माताओं ने इस वीडियो के माध्यम से पेश की है। इससे साफ है कि केजीएफ 3 जल्दी ही बनने वाली है। जिसका इशारा इस वीडियो के माध्यम से दिया है।

ये वीडियो साझा कर निर्माता ने ट्वीट में लिखा, सबसे पावरफुल इंसान का सबसे पावरफुल प्रॉमिस रखा गया है। केजीएफ 2 हमें एक यादगार सफर पर ले गया इसमें कभी न भूलने वाले किरदार और एक्शन थे। सिनेमा का ग्लोबल सेलिब्रेशन, रिकॉर्ड ब्रेकिंग परफॉर्मेंस और दिल जीतने वाली मूवी। यादगार कहानियों के पूरे होने का एक साल। केजीएफ चैप्टर 2 हालांकि इस वीडियो में कैप्शन्स के माध्यम से केजीएफ 3 का इशारा दिया गया है।

अयान मुखर्जी ब्रह्मास्त्र के दूसरे और तीसरे भाग के लिए जियो से मिलाएंगे हाथ,बातचीत जारी

अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन शिवा ने रिलीज के बाद ही बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। हाल ही में निर्देशक ने ब्रह्मास्त्र 2 के दिसंबर 2026 और ब्रह्मास्त्र 3 के दिसंबर 2027 में रिलीज होने का ऐलान किया था। अब खबर आ रही है कि धर्मा प्रोडक्शंस और डिज्नी ब्रह्मास्त्र से पीछे हट गए हैं। ऐसे में ब्रह्मास्त्र के लिए अयान जियो स्टूडियो से हाथ मिला सकते हैं और उनकी बातचीत चल रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, डिज्नी भारत में अपनी कंटेंट की रणनीति के पुनर्गठन पर काम कर रहा है। उन्होंने डिज्नी+ हॉटस्टार के लिए काम को धीमा कर दिया है और फिल्म निर्माण भी कम ही कर रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में कई बैठकों के बाद अब डिज्नी ने ब्रह्मास्त्र फ्रेंचाइजी से पीछे हटने का फैसला किया है। स्टूडियो ब्रह्मास्त्र फ्रेंचाइजी के अधिकार अयान को बेचने के लिए तैयार था, जो पहले से ही इसके आंशिक मालिक हैं।

सूत्र के मुताबिक, अयान ने अब पूरा कार्यभार संभालने का फैसला किया क्योंकि ब्रह्मास्त्र उनकी प्रिय फ्रेंचाइजी है और वह इसे अपने हाथ से जाने नहीं देना चाहते। अयान के पास अपनी फिल्मों के भविष्य के लिए एक रूपरेखा तैयार है और वह रणबीर कपूर के साथ इस पर जियो स्टूडियोज के साथ करोड़ों रुपये की बड़ी डील करने के कगार पर हैं। हालांकि जियो स्टूडियो के साथ अयान की डील अभी तक पक्की नहीं हुई है।

एक्टर के तौर पर 'भोला' मेरे लिए सबसे अच्छी शुरूआत : अर्पित रांका

एक्टर अर्पित रांका को 2013 के शो 'महाभारत' में दुर्योधन और 'राधाकृष्ण' में कंस की भूमिका के लिए जाना जाता है। उन्होंने फिल्म 'भोला' में अजय देवगन और तब्बू के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया और बताया कि कैसे 10 साल के इंतजार के बाद उन्हें इतना बड़ा प्रोजेक्ट मिला है। फिल्म में, वह नेगेटिव रोल भूरा के किरदार में हैं। बड़े पर्दे पर अपनी शुरूआत करने के बारे में बोलते हुए, अर्पित ने कहाः हिंदी फिल्मों में काम करना हर अभिनेता का सपना होता है। मैं अलग नहीं था। मुझे हिंदी फिल्मों में काम करने में 10 साल लग गए। लेकिन मुझे लगता है कि ऐसा होना तय था। हालांकि पहले भी ऑफर्स थे, लेकिन किसी वजह से मैं उन्हें नहीं कर पाया। मुझे 'भोला' में भूरा का रोल कैसे मिला, यह एक दिलचस्प कहानी है। उन्होंने कहा, 'भोला' के लिए ऑडिशन देने के बाद, मुझे उज्जैन में महाकाल मंदिर जाने का मौका मिला। कुछ दिनों के बाद, मुझे 'भोला' के लिए अजय देवगन सर के ऑफिस से फोन आया। उनके ऑफिस में महाकाल की मूर्ति देखना मेरे लिए सुखद पल था। इसके अलावा, शूटिंग का मेरा पहला दिन एक सेट पर था जिसमें महाकाल की एक बड़ी मूर्ति थी, जहां फिल्म में एक एक्शन सिक्वेंस होता है। उन्होंने अजय और तब्बू के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा कियाः मेरी शूटिंग का पहला दिन 30 जून, मेरे जन्मदिन पर था। अजय देवगन और तब्बू के साथ मेरे सीन्स शूट होने थे और मैं बहुत घबराया हुआ था। लेकिन उन दोनों ने मुझे कंफर्ट फील कराया। अजय देवगन एक समर्पित एक्टर और निर्देशक हैं। हर दिन वह सेट पर यह देखने के लिए आते थे कि सब कुछ ठीक है या नहीं। इंडस्ट्री में इतने सालों के काम और नाम कमाने के बाद भी वह काफी सरल इंसान है। सेट पर एक अभिनेता के रूप में बहुत कुछ लेना-देना रहा है क्योंकि मैं फिल्म में एकमात्र अभिनेता हूं जिसने स्क्रीन पर अजय सर को मात दी है।

संलग्नीकरण तत्काल प्रभाव से समाप्त करने के आदेश

» संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं ने सभी संभागों के संयुक्त संचालक और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को लिखा पत्र

रायपुर,26 अप्रैल2023 (ए)। स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक भीम सिंह ने सभी संभागों के संयुक्त संचालक और सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर कर्मचारियों का संलग्नीकरण तत्काल प्रभाव से समाप्त करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि संचालनालय स्तर से समय-समय पर संलग्नीकरण समाप्त किए जाने के निर्देश व आदेश जारी किए गए हैं। चालू अप्रैल माह में संपन्न स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में भी विभागीय सचिव ने शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में संलग्नीकरण को समाप्त कर अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके मूल पदस्थापना स्थान के लिए कार्यमुक्त किए जाने के निर्देश दिए थे, परन्तु अभी भी अनेक संस्थाओं में अधिकारी व कर्मचारी संलग्न होकर कार्यरत हैं। इस संबंध में संयुक्त संचालकों और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा जानकारी उपलब्ध

कराई गई है। साथ ही अधिकारी एवं कर्मचारी संघों द्वारा भी इस संबंध में शिकायत प्राप्त होती है।

संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं ने संभागीय संयुक्त संचालकों और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को आदेशित किया है कि किसी भी स्तर कलेक्टर, संभागीय संयुक्त संचालक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी या अन्य अधिकारी द्वारा जारी संलग्नीकरण या कार्यादेश को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर संलग्न अधिकारी एवं कर्मचारी को उनके मूल पदस्थापना स्थान के लिए तत्काल कार्यमुक्त करें। उन्होंने संलग्नीकरण में कार्यरत ऐसे सभी अधिकारियों-कर्मचारियों की तत्काल उनके मूल पदस्थापना स्थान में उपस्थिति सुनिश्चित कर आदेश की प्रति संचालनालय, स्वास्थ्य सेवाएं में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने को कहा है। ऐसा नहीं करने वाले संयुक्त संचालकों और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों के विरूद्ध नियमानुसार एक तरफा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होगें।

1 लाख के ईनामी नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा,26 अप्रैल2023 (ए)। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान पूना नर्कोम (नई सुबह, नई शुरूआत) के तहत व थाना चिंतागुफा के अंदरूनी क्षेत्रों में नवीन सुरक्षा कैम्पों के स्थापित होने से क्षेत्र में हो रहे विकासात्मक कार्यों से प्रभावित होकर प्रतिबंधित नक्सली संगठन में सक्रिय ईनामी नक्सली कवासी देवा (डीएकेएमएस अध्यक्ष, ईनामी छ.ग. शासन द्वारा 01 लाख, पुलिस अधीक्षक द्वारा 5,000 रूपये) निवासी थाना चिंतागुफा ने नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में किरण चव्हाण, अति. पुलिस अधीक्षक, नक्स ऑप्स. जिला सुकमा, विशाल वैभव डिप्टी कमाण्डेन्ट 241 वाहिनी सीआरपीएफ एवं परमेश्वर तिलकवार पुलिस अनु विभागीय अधिकारी सुकमा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। उक्त नक्सली को आत्मसमर्पण हेतु प्रोत्साहित कराने में सुभाषचन्द्र मीणा, सहायक कमाण्डेन्ट 241 वाहिनी सीआरपीएफ व 241 वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा का विशेष प्रयास रहा। उक्त आत्मसमर्पित नक्सली को राज्य शासन के पुनर्वास नीति के तहत् सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदाय किया जायेगा।

दो प्राचार्य निलंबित : सैलरी नहीं मिलने पर मंत्री से किया सीधे पत्राचार

» अनुपस्थित रहने के बाद भी एक साथ कर दिया हस्ताक्षर

रायपुर,26अप्रैल2023(ए)। छत्तीसगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग में रोज किसी न किसी तरह के अनोखे मामले सामने आते रहते हैं। इसी तरह के दो अलग-अलग मामले में दो प्राचार्यों को निलंबित कर दिया है। शिक्षकों को सैलरी मिलने में दिक्कत हुई तो उन्होंने सीधे स्कूल शिक्षा व आदिम जाति विकास विभाग के मंत्री डा. प्रेमसाय सिंह टेकाम से पत्राचार करके शिकायत की।

मामले में विभाग ने संस्थान के प्राचार्य पर कार्रवाई की है। पहला मामला आदर्श अनुसूचित जाति कन्या आश्रम रायपुर का है। यहां पदस्थ शिक्षिका पुष्पलता साहू और सलोनी ठाकुर ने सैलरी की समस्या के मामले में चैनल से प्राचार्य होते हुए जिला शिक्षा अधिकारी, संयुक्त संचालक कार्यालय या फिर संचालक व सचिव को पत्राचार नहीं करते हुए सीधे मंत्री को ही पत्राचार कर दिया ।

इस मामले में संस्थान की प्राचार्य सरोज वर्मा को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन की अवधि में उनका मुख्यालय संयुक्त संचालक कार्यालय रायपुर नियत किया गया है। बिना जानकारी दिए स्कूल से प्राचार्य नदारददूसरे मामले में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल जोरा रायपुर की प्राचार्य डा.राज ढिमोले को कई दिनों से स्कूल से नदारद रहने के कारण निलंबित किया गया है।

अनुपस्थित रहने के बाद भी एक साथ हस्ताक्षर करने, विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार के आरोप में यह कार्रवाई हुई है। निलंबन की अवधि में उनका मुख्यालय संयुक्त संचालक कार्यालय रायपुर नियत किया गया है।

नक्सली रोज ले रहे निर्दोषों की जान और मुखिया को दरबार लगाने से फुर्सत नहीं:बृजमोहन

रायपुर,26 अप्रैल2023 (ए)। दंतेवाड़ा के नक्सली हमले में 11 जवानों की शहादत पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व गृह मंत्री एवं विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यह घटना निश्चित रूप से नक्सलियों का कायराना कृत्य है जो हमारे लिए अलार्मिंग है। उन्होंने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि हम प्रदेशवासियों की रक्षा के लिए दी गई इन वीरों की शहादत बेकार नहीं जाएगी निश्चित रूप से उन्हें कड़ा जवाब दिया जाएगा।

साथ ही बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यह घटना छत्तीसगढ़ सरकार की लापरवाही का ही परिणाम है। हमने सरकार को लगातार नक्सलवाद के विषय पर गंभीर होने की हिदायत भी दी थी। बीते विधानसभा सत्र के दौरान भी हमें नक्सलवाद का मुद्दा उठाते हुए सरकार की तैयारियों को उनकी कार्यशैली को नाकाफी बताते हुए जानकारी सामने रखी थी। कुछ दिनों पहले विधायक के काफिले पर हमला भी हुआ था।

उन्होंने कहा कि यह पूरी घटना सुरक्षा में चूक का ही परिणाम है। क्योंकि फोर्स जब भी गुजरती है तो उसकी आगे ओपनिंग पार्टी चलती है। फिर भी यह बम ब्लास्ट की घटना हो गई।सरकार को कटघरे में

खड़ा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रतिदिन नक्सली मुखबिर के नाम पर एक हत्या करते हैं।बावजूद सरकार गंभीरता से उन घटनाओं को नहीं लेती। मुख्यमंत्री को दरबार लगाने से फुर्सत नहीं है और गृह मंत्री को छोटी सी भी जानकारी प्रदेश व नक्सलवाद पर नहीं है।

उन्होंने कहा कि साढे 4 साल में प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने नक्सलवादियों के खिलाफ एक भी बड़ी कार्यवाही नहीं की किसी भी कोर नक्सली को नहीं मार गिराया। नक्सलियों को मारने की खबर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उड़ीसा से आती है परंतु छत्तीसगढ़ की सरकार जो नक्सलियों के प्रति नरम रुख अपनाए हुए हैं उसका ही परिणाम है कि हमारे जवान शहीद हो रहे हैं और जनता में भय व्याप्त है।

साथ ही उन्होंने कहा कि आईएएस, आईपीएस, आईएफएस अफसर छत्तीसगढ़ में ताश के पत्तों की तरह फेटे जा रहे हैं। किसी भी स्थान पर कार्य करते हुए जब उन्हें सब कुछ समझ आता है तब तक सरकार उनकी रवानगी तय कर देती है।

उन्होंने कहा कि चुनाव के पहले नक्सली इस तरह की घटनाएं करते आए हैं जिसे लेकर भी हमने सरकार को आगाह किया था। नक्सलियों में जब भय खत्म हो जाता है तब वे इस तरह की घटनाएं करते हैं। यह बम ब्लास्ट की घटना यह बता रही है कि छत्तीसगढ़ के नक्सलियों में भय कम हो गया है। ऐसे में सरकार को चाहिए की पूरी ताकत के साथ नक्सलियों के खिलाफ एक सूत्रीय अभियान चलाए कर उनकी संपूर्ण समाप्ति के लिए प्रयत्न करना चाहिए।

भूपेश निर्णायक जंग छेंडें या घर बैठ जाएं:नारायण चंदेल

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस और नक्सलियों में गुप्त गठजोड़ है। कांग्रेस अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिए नक्सलियों का इस्तेमाल कर रही है और इसके एवज में उन्हें हिंसा करने की छूट दी गई है। कांग्रेस सरकार ने अब तक के कार्यकाल में नक्सलियों के खिलाफ कोई ऑपरेशन नहीं चलाया। मुख्यमंत्री बतायें कि आखिर क्यों नक्सल समस्या के सफाए के लिए कुछ भी नहीं किया।नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री दावा करते हैं कि हालात बदल रहे हैं। जबकि हालात बिगड़ रहे हैं। बीजापुर विधायक विक्रम शाह मंडावी के काफिले पर नक्सलियों ने फायरिंग की। यह सरकार नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब देने की बजाय सफाई देती रही कि विधायक को एसपी ने उस इलाके में जाने से रोका था। जब सत्ताधारी दल के विधायक को क्षेत्र में जाने से रोके जाने की स्थिति है तो मुख्यमंत्री झूठ क्यों बोल रहे हैं कि हालात बदल रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि हालात बेकाबू हो चुके हैं। सरकार हाथ पर हाथ रखे बैठी है। कांग्रेस के नेता नक्सलियों की पैरवी करते देखे जाते हैं। कांग्रेस के नेता तेलंगाना में नक्सलियों का इलाज कराने जाते हैं। मुख्यमंत्री घड़ियाली आंसू बहाने की अपेक्षा नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक जंग छेड़ें। अन्यथा घर बैठ जाएं। 6 माह बाद भाजपा नक्सलियों की हिमायती सरकार और उसके बाद नक्सलियों को जड़ मूल से

शराब कारोबारी के घर सुबह जा घुसे ईडी के अफसर

रायपुर,26अप्रैल2023(ए)। बुधवार को फिर से ईडी के अफसर एक्शन में आ गए। सुबह खम्हारडीह इलाके में अशोका रतन नाम की सोसाइटी में अफसर गए। यहां एक शराब कारोबारी के घर आए अधिकारियों ने पूरे कैम्पस की तलाशी शुरू कर दी।

पूरी कॉलोनी में इस कार्रवाई की वजह से कई तरह की चर्चाएं थीं। रायपुर के एक बार में भी तलाशी लिए जाने की बात सामने आई है। अपनी कार्रवाई के बारे में श्रष्ठ ने कुछ भी नहीं बताया है। माना जा रहा है देर शाम तक अफसर शराब कारोबारी के घर में ही जमे रहेंगे।

झारखंड से भी जुड़ रहे तार

बुधवार को सुबह ईडी की कार्रवाई के बाद ये बात भी सामने आई कि झारखंड में हुए शराब नीति घोटाले की जांच के तार रायपुर से भी जुड़े हैं।

छत्तीसगढ़ के कुछ कारोबारी झारखंड में भी बिजनेस डील को लेकर अफसरों और नेताओं से मिले थे। इस संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। प्रदेश के केस में भी लगातार श्रष्ठ पूछताछ और जांच जारी रखे हुए है।

ईडी ने कोल परिवहन केस में छत्तीसगढ़ में अक्टूबर 2022 से छापेमारी शुरू की है। इसके बाद अब शराब मामले में भी ड्रस अफसर, नेताओं और कारोबारियों के ठिकानों पर पिछले महीने छापेमारी की गई है।

भाजपा नक्सलवारदात पर स्तरहीन बयानबाजी कर शहादत का अपमान कर रही है:कांग्रेस

» नक्सलियों के मंसूबे पूरे नहीं होंगे, शांति के लिये जारी अभियान नहीं रूकेगा

रायपुर,26अप्रैल2023(ए)। दंतेवाड़ा के अरनपुर में हुये नक्सल हमले की कांग्रेस कड़ी निंदा करती है। वीर जवानों की शहादत को नमन है। नक्सलियों के मंसूबे पूरे नहीं होंगे, शांति के लिये जारी अभियान नहीं रूकेगा। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि अरनपुर नक्सली हमले के संदर्भ में भाजपा नेताओं का बयान बेहद ही दुर्भाग्यजनक और गैर जिम्मेदाराना है। 15 साल तक प्रदेश में सरकार में रही भाजपा नक्सली घटना पर निम्नस्तरीय बयान देकर वीर जवानों की शहादत का अपमान कर रही है। नक्सली घटना के बाद भाजपा द्वारा दी गयी प्रतिक्रिया जवानों को हतोत्साहित करने वाली है। छत्तीसगढ़ में नक्सलवादी खात्मे की ओर है तो इसके पीछे हमारे जवानो की मेहनत और उनकी जांबाजी है। चोरी छुपे बम लगाकर पीछे से घात करके नक्सली सुरक्षा बलों का नुकसान करने में भले ही सफ्ल हो गये है। लेकिन पिछले साढ़े चार साल में हमारे जवानों ने नक्सलवादियों की कमर तोड़ कर रख दिया है।केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह बयान देकर गये थे कि छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद समाप्ति की ओर है राज्य के भाजपाई उनसे अलग बयान दे रहे है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि शहादत की तुलना सरकारों के आधार पर नहीं करनी चाहिये लेकिन अरनपुर की दुर्भाग्यजनक घटना के बाद भाजपा के नेता जो बयान दे रहे है उन्हे रमन राज की इन दुर्दांत नक्सल हमलों का भी जवाब देना चाहिये। भाजपा राज में 6 अप्रैल 2010 में जिला दंतेवाड़ा के ताडमेटला में 76 सीआरपीएफ जवान, 24 अप्रैल 2017 में जिला सुकमा के दुर्गापाल 25 सीआरपीएफ जवान शहीद, 25 मई 2013 दरभा के जीरम, जिला बस्तर में महेन्द्र कर्मा, नंदकुमार पटेल, विद्याचरण शुक्ल सहित 30 लोग शहीद, 29 जून 2010 धोडाई जिला नारायणपुर 27 पुलिस जवान शहीद, 17 मई 2010 दंतेवाड़ा यात्री बस में 36 लोग शहीद (12 विशेष पुलिस अधिकारी सहित), 12 जुलाई 2009 मदनवाडा एसपी चौबे सहित 29 पुलिसकर्मी शहीद, 09 जुलाई 2007 उपलमेटा एर्राबोर 23 पुलिस कर्मी शहीद, 15 मार्च 2007 रानीबोदली बीजापुर 55 जवान शहीद हुये थे। भाजपा बताये इन शहादतों की जवाबदार कौन है?

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बीते साढ़े चार साल में प्रदेश में नक्सलवादी गतिविधियों में 80 प्रतिशत की कमी हुई है नक्सलियों के बड़े नेताओं की गिरफ्तारी हुई है एनकाउंटर हुआ है अब नक्सली छत्तीसगढ़ छोड़कर भाग रहे। वर्ष 2008 से लेकर 2018 तक के आंकड़ों को यदि देखा जाए तो इस दौरान राज्य में नक्सली हर साल 500 से लेकर 600 हिंसक घटनाओं को अंजाम देते थे, जो कि बीते साढ़े चार वर्षों में घटकर औसतन रूप से 250 तक रह गई है। वर्ष 2022 में मात्र 134 नक्सल घटनाएं हुई हैं, जो कि 2018 से पूर्व घटित घटनाओं से लगभग चार गुना कम हैं। राज्य में 2018 से पूर्व नक्सली मुठभेड़ के मामले प्रतिवर्ष 200 के करीब हुआ करते थे, जो अब घटकर दहाई के आंकड़े तक सिमट गए हैं। वर्ष 2021 में राज्य में मुठभेड़ के मात्र 81 और वर्ष 2022 में अब तक 41 मामले हुए हैं। नक्सलियों के आत्मसमर्पण के मामलों में भी तेजी आई बीते साढ़े तीन वर्षों में 1589 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह आंकड़ा 10 वर्षों में समर्पित कुल नक्सलियों की संख्या के एक तिहाई से अधिक है। बस्तर संभाग के 589 गांवों के पौने छह लाख ग्रामीण नक्सलियों के प्रभाव से पूरी तरह मुक्त हो चुके हैं। इनमें सर्वाधिक 121 गांव सुकमा जिले के हैं। दंतेवाड़ा जिले के 118 गांव, बीजापुर जिले के 115 गांव, बस्तर के 63 गांव, कांकेर के 92 गांव, नारायणपुर के 48 गांव और कोंडागांव के 32 गांव नक्सल प्रभाव से मुक्त हुए हैं। दंतेवाड़ा पुलिस के द्वारा चलाए जा रहे नक्सलियों के खिलाफ लोन वर्राटू (घर वापस आइए) अभियान के तहत लगातार नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे हैं, पिछले डेढ़ सालों में अब तक 500 से ज्यादा नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, इनमें 137 नक्सलियों पर ईनाम घोषित है।

रायपुर में मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने की तैयारी में थे भाजपा कार्यकर्ता,हिरासत में लिए गए

रायपुर,26अप्रैल 2023(ए)। भेंट-मुलाकात कार्यक्रम स्थल के बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया. जिसके बाद विरोध प्रदर्शन कर रहे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लेकर गाड़ी में बैठाकर किसी अज्ञात स्थान पर ले गए. जानकारी के अनुसार, भाजपा कार्यकर्ता बूढ़ेश्वर मंदिर चौक में मुख्यमंत्री के काफिले को काले झंडे दिखाने की तैयारी में थे.

वहीं मामले के बाद भाजपा पार्षद दल सीएम के भेंट-मुलाकात में पहुंचा. इस दौरान निगम नेता-प्रतिपक्ष मीनल चौबे, मृत्युंजय दुबे, मनोज वर्मा मौजूद रहे. महापौर एजाज ढेबर ने भाजपा पार्षदों का अभिनंदन किया.

प्रदेश के मुख्यमंत्री पुलिस को आगे करके जनता की आवाज दबाने का प्रयास कर रहे हैं. आज हम सब भाजपा के कार्यकर्ता वामन राव लाखे वार्ड के झुग्गी झोपड़ी में रह रहे वासियों के लिए पट्टा की मांग करने के लिए प्रोफेसर कॉलोनी में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था करने के लिए संपत्ति करने के लिए एवं यूजर्स को समाप्त करने के लिए और वार्ड में सफाई कर्मचारियों के नाम पर हो रहे भ्रष्टाचार एवं वार्ड विकास कार्यों की मांग करने के लिए मुख्यमंत्री के मुलाकात में हम लोग शांति से जा रहे थे लेकिन जाने नहीं दिया गया और पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है.

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा विकास एवं विपणन संघ की कॉफी टेबल पुस्तक का किया विमोचन

रायपुर,26अप्रैल2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य हथकरघा विकास एवं विपणन संघ द्वारा तैयार की गई कॉफी टेबल पुस्तक का विमोचन किया। ग्रामोद्योग विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला और हथकरघा संघ की प्रबंध संचालक मती रेखा शुक्ला भी इस अवसर पर उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री ने पुस्तक के प्रकाशन पर ग्रामोद्योग विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. शुक्ला और हथकरघा संघ की प्रबंध संचालक मती रेखा शुक्ला को बधाई दी और कहा कि यह कॉफी टेबल पुस्तक छत्तीसगढ़ के हथकरघा वस्त्रों के प्रचार-प्रसार में बहुत उपयोगी साबित होगी।

प्रबंध संचालक मती रेखा शुक्ला ने बताया कि इस पुस्तक का नाम 'मंगठा' रखा गया है। छत्तीसगढ़ी भाषा में हथकरघा को 'मंगठा' भी कहते हैं। इस पुस्तक में छत्तीसगढ़ में बुने जाने वाले कोसा, खादी और कॉटन की साड़ियों की निर्माण प्रक्रिया की पूरी जानकारी और विभिन्न प्रकार की साड़ियों को सुंदर चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के हैंडलूम बुनकरों को समर्पित है, पूरे देश में छत्तीसगढ़ हैंडलूम के प्रचार-प्रसार में इसका बहुत अच्छा उपयोग होगा।

पुलिस थाने में आरोपी की मौत पर मचा बवाल

बिलासपुर ,26 अप्रैल 2023 (ए)।जिला से बड़ी खबर सामने आ रही है जहां पुलिस की कस्टडी में एक आरोपी की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि आरोपी को रायपुर से गिरफ्तार कर बिलासपुर लाया गया था। पूरा मामला मामला तारबाहर थाने का है।

जानकारी के मुताबिक मुंगेली निवासी श्याम मोदिकर (50) के खिलाफ तारबाहर थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज था। पुलिस इस केस की जांच कर रही थी। पुलिस को पता चला कि श्याम मोदिकर रायपुर के तेलीबांधा में परिवार के साथ रह रहा है। आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार कर लॉकअप में रखा गया था। जब आज बुधवार को आरोपी को देखा गया तो वह बेहोश पड़ा हुआ था। घटना की जानकारी के बाद पुलिस कर्मी घबरा गए और तारबाहर टीआई मनोज नायक को इसकी जानकारी दी। इसके बाद आनन फानन में उसे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक आरोपी की पत्नी रीना मोहदीकर ने बताया कि उनके पति को पुलिस ने शाम 7 बजे से गिरफ्तार कर लिया था, इसके बाद उन्हें भी पुलिस मुंगेली से बुलाया गया। उन्हें देर रात 11.30 बजे तक थाने में बैठाकर रखा गया था फिर बाद में छोड़ा गया। अब इस मामले की जांच की जा रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)